पटना • शुक्रवार, 21 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः160 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त 3 | www. bordernewsmirror.com | इश्क विश्क रिबाउंड से 8

हरियाणा की 2 लोकसभा सीटों की ईवीएम होंगी चेक

दोनों बीजेपी ने जीतीं

कांग्रेस उम्मीदवारों की वोटिंग में गड़बड़ी की शिकायत पर ईसीआई का फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने हरियाणा की 2 लोकसभा सीटों पर चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत की जांच के आदेश दिए हैं। इनमें करनाल और फरीदाबाद सीट

शामिल है। जिनकी अब ईवीएम चेक कराई जाएगी। करनाल से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और फरीदाबाद से केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर चुनाव जीते थे। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से चुनाव के दौरान गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी। इसे लेकर चुनाव आयोग में शिकायत भी की गई थी। करनाल से कांग्रेस उम्मीदवार दिव्यांशु बुद्धिराजा ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर जांच करने की मांग की थी।

कश्मीर से खदेड़े गए आतंकी तो जम्मू को बनाया नया ठिकाना

- खात्मे का ऐक्शन प्लान भी तैयार, सुरक्षा एजेंसियों ने कसी कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू को निशाना बनाने की कोशिश आतंकियों ने अनुच्छेद 370 खत्म होने के करीब दो साल के भीतर ही 2021 में शुरू कर दी थी। जब घाटी में आतंकियों पर सख्ती हो रही थी तो उनके गुट जम्मू में पैठ बनाने के लिए गुपचुप मुहिम चला

रहे थे। ताजा हमलों की छानबीन में पता चला है कि आतंकियों ने जम्मू के कई इलाकों में अपने नेटवर्क का विस्तार कर लिया है। उन्होंने ओवर ग्राउंड वर्कर की अच्छी खासी टीम खड़ी कर ली है। ये टीमें उनकी सहायता के अलावा उनके लिए मुखबिरी भी कर रही हैं।

सीएम केजरीवाल को बड़ी राहत, शराब घोटाले मामले में कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में उन्हें जमानत दे दी है। कोर्ट ने एक लाख मुचलके पर जमानत दी है।

इस आधार पर जमानत का ईडी ने किया था विरोध

केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए जांच एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि रिश्वत के आरोप केंद्रीय जांच ब्यूरो

(सीबीआई) की तरफ से लगाए गए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल ने आप पार्टी के लिए साउथ ग्रुप से रिश्वत की मांग की। अगर आम आदमी पार्टी (आप) को मामले में आरोपी बनाया गया है तो पार्टी के प्रभारी व्यक्ति को दोषी ठहराया जाएगा।

ईडी ने अदालत को बताया कि जब इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आरोपी बनाया गया था, तो उस वक्त आम आदमी पार्टी को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया था।

संसद में मूर्तियों की जगह बदलने पर राजनीति तेज

- खड़गे ने लोकसभा स्पीकर और उपराष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में जगह-जगह लगी मूर्तियों को हटाकर एक जगह स्थानांतरित करने के सरकार के फैसले का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने लोकसभा स्पीकर और उपराष्ट्रपति पत्र लिखकर इसका विरोध जताया है। सरकार ने अपने इस फैसले में संसद परिसर में जगह-जगह लगी मूर्तियों को परिसर में ही एक नए स्थान प्रेरणा स्थल पर लगाने का फैसला किया था। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दो दिन पहले प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र को एक्स पर साझा किया। खड़गे ने लिखा कि कई महान नेताओं की मूर्तियों को उनके स्थान से हटा दिया गया है। जिनमें महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आम्बेडकर की मूर्तियां भी शामिल हैं। इन महान नेताओं की मूर्तियों को सामने से हटाकर एक कोने में लगा दिया गया है।

दो दिनों में किसानों को पीएम मोदी का डबल तोहफा

धान समेत 14 अन्य फसलों की एमएसपी बढ़ाई, होगी बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने तीसरा कार्यकाल संभालते ही दो दिनों के अंदर देशभर के किसानों को डबल तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मौजूदा फसल सत्र यानी 2024-25 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने को मंजूरी दी है। इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 117 रुपये बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह 5.35 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी है। मोदी सरकार-3.0 की दूसरी कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों के बारे में अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास सहित 14 खरीफ फसलों के नए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी गई है। एमएसपी वृद्धि की घोषणा करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट

ने कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर 14 खरीफ (ग्रीष्मकालीन) फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को मंजूरी दी है। बता दें कि धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी सरकार के पास सरप्लस चावल स्टॉक होने के बावजूद की गई है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में चुनावों से पहले इसे अहम माना जा रहा है। वैष्णव ने बताया कि आगामी खरीफ सीजन के लिए सामान्य ग्रेड धान के लिए एमएसपी 117 रुपये बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि ए ग्रेड किस्म के लिए इसे बढ़ाकर 2,320 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने 2018 के केंद्रीय बजट में स्पष्ट नीतिगत निर्णय लिया था कि एमएसपी उत्पादन की लागत का कम से कम 1.5 गुना होना चाहिए और इस सिद्धांत का पालन एमएसपी में नवीनतम वृद्धि में किया गया है। उन्होंने कहा कि लागत की गणना सीएसीपी द्वारा वैज्ञानिक रूप से की गई थी। हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय खाद्य निगम के पास वर्तमान में लगभग 53.4 मिलियन टन चावल का रिकॉर्ड भंडार है, जो 1 जुलाई के लिए आवश्यक बफर से चार गुना है और बिना किसी नई खरीद के एक साल के लिए पर्याप्त है।

गड़बड़ियों से परीक्षा की विश्वसनीयता को चोट पहुंची, हमें जवाब चाहिए

नीट परीक्षा को लेकर बोला सुप्रीम कोर्ट, काउंसलिंग पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। ये याचिका स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों ने रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर की थी। इसमें बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की गई थी और परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने परीक्षा कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए को नोटिस जारी करते हुए कहा- नीट यूजी की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। हमें इसका जवाब चाहिए।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की वैकेशन बेंच ने मामले की सुनवाई की। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को

होगी। सुप्रीम कोर्ट में 10 जून को भी नीट रिजल्ट पर रोक लगाने की याचिका दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने नीट यूजी एग्जाम 2024 में ग्रेस मार्क्स देने में मनमानी का आरोप लगाया है। एक एग्जाम सेंटर के 67 कैंडीडेट्स को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं, इस पर भी याचिकाकर्ताओं ने संदेह जताया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर नई याचिका में 5 मई को आयोजित नीट यूजी एग्जाम का पेपर लीक होने की व्यापक शिकायतों का भी हवाला दिया गया है। याचिका में कहा गया था कि रिजल्ट में ग्रेस मार्क्स देना एनटीए का मनमाना फैसला है। स्टूडेंट्स को 718 या 719 मार्क्स देने का कोई मैथमेटिकल आधार नहीं है। ये याचिका स्टूडेंट वेलफेयर के लिए काम करने वाले अब्दुल्ला मोहम्मद फैज और डॉक्टर शेख रोशन ने दायर की थी।

शिक्षा मंत्री प्रधान बोले-नीट के साथ समझौता नहीं होगा

एनटीए के लिए हाई कमेटी गठित होगी, जो इसे बेहतर बनाने के लिए सिफारिश देगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट एग्जाम विवाद पर केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नीट एग्जाम के साथ समझौता नहीं होगा। एग्जाम को जीरो एरर बनाया जाएगा। एनटीए के लिए हाई कमेटी गठित होगी, जो इसको और बेहतर करने के लिए सिफारिश देगी।

उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के संबंध में हम बिहार सरकार की ओर से लगातार संपर्क में हैं और पटना से हमें कुछ जानकारी भी आ रही है। आज भी कुछ चर्चा हुई है। पटना पुलिस के पास कुछ जानकारी आई जो सबके सामने भी है। डिटेल्ड रिपोर्ट जल्द भारत सरकार को भेजेंगे। उन्होंने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, चाहे वो एनटीए हो या एनटीए से जुड़ा कोई अधिकारी हो, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मैं आपको ये भी सूचित करना चाहूंगा कि सरकार एक हाई लेवल कमेटी का गठन करने जा रही है।

युद्ध रुकवा दिया लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पा रहे

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द किए जाने पर बोले राहुल गांधी, मोदी सरकार पर खूब बरसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द किए

जाने को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उनका यह बयान परीक्षा रद्द हो जाने की घोषणा के एक दिन बाद आया है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ऐसा दावा करती है कि उसने रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया, मगर पेपर लीक को क्यों नहीं रोक पाई। राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान, मुझे हजारों लोगों ने पेपर लीक की अपनी परेशानी शिकायत सुनाई। ऐसा कहा जा रहा था कि मोदी जी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को रोक दिया। लेकिन कुछ कारणों से, नरेंद्र मोदी भारत में पेपर लीक को रोक नहीं पाए हैं या रोकना नहीं चाहते हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा, पेपर लीक के पीछे का कारण यह है कि शिक्षा प्रणाली पर भाजपा के मूल संगठन ने कब्जा कर लिया है। जब तक इन्हें बदला नहीं किया जाता है, तब तक पेपर लीक होते रहेंगे। मोदी जी ने इसे अपने लिए सुविधाजनक बनाया है। यह एक राष्ट्र-विरोधी गतिविधि है।

केंद्र ने कहा- यूजीसी-नेट में गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली

- स्टूडेंट की भलाई के लिए एग्जाम किया रद्द, जल्द नई तारीख का ऐलान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को यूजीसी-नेट की परीक्षा रद्द कर दी थी। यह परीक्षा इसके एक दिन पहले 18 जून को ही आयोजित की गई थी। गुरुवार को एजुकेशन मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी गोविंद जायसवाल ने कहा कि हमें यूजी-नेट में गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली थी, बल्कि स्टूडेंट के हितों को सुरक्षित रखने के लिए हमने खुद से संज्ञान लिया है। जायसवाल ने कहा कि हमें एग्जाम में गड़बड़ी होने के इनपुट्स मिले थे, जिसके आधार पर हमने इसे रद्द करने का फैसला लिया।

इसकी डिटेल हम सार्वजनिक नहीं कर सकते हैं। मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। अब जल्द ही रीएग्जाम की तारीख का ऐलान किया जाएगा। उधर, कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम हर साल परीक्षा पे चर्चा का ग्रैंड तमाशा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद बिना लीक या फ्रॉड के एक एग्जाम नहीं आयोजित करवा सकते।

बिहार में नीतिश सरकार को लग गया 'हाई' करेंट

65 फीसदी आरक्षण को पटना एचसी ने किया रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना हाई कोर्ट से बिहार सरकार को बड़ा झटका लगा है। पटना हाई कोर्ट ने बिहार में सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में जाति आधारित आरक्षण को 65 फीसदी करने वाला कानून रद्द कर दिया है। बता दें कि बिहार सरकार ने जाति आधारित जनगणना कराई थी और उसके बाद इसी आधार पर ओबीसी, ईबीसी, दलित और आदिवासियों का आरक्षण बढ़ाकर 65 फीसदी किया गया था। हालांकि अब पटना हाई कोर्ट में इसे रद्द कर दिया है।

बता दें कि बिहार में जब 65 फीसदी आरक्षण कर दिया गया, उसके बाद 10 फीसदी आरक्षण आर्थिक रूप से पिछड़े समय लोगों को मिलता था। इसे मिलाकर बिहार में नौकरी और दाखिले का कोटा

बढ़ाकर 75 फीसदी पहुंच चुका था। इसके बाद यूथ फॉर इक्वालिटी नाम के संगठन ने उसे पटना हाई कोर्ट में चुनौती दी थी और इस पर सुनवाई शुरू हुई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच ने इस कानून को रद्द किया है।

चाबी खो जाने से मचा था बवाल, चुनाव में खूब उठा मुद्दा

अब खोला जाएगा ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी के मशहूर जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 8 जुलाई या उसके एक दिन बाद खोला जाएगा। इस रत्न भंडार में भगवान जगन्नाथ के आभूषण और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं हैं। इस बारे में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने जानकारी दी है। एएसआई के पुरी सर्कल के अधीक्षक दिबिषद गडनायक ने बुधवार को कहा कि निरीक्षण 8 जुलाई या उसके अगले दिन कोर कमेटी और तकनीकी समिति के सदस्यों की मौजूदगी में किया जाएगा। गडनायक ने कहा, चूंकि इस साल रथ यात्रा 7 और 8 जुलाई को दो दिनों के लिए निर्धारित है, इसलिए कक्ष को 8 जुलाई के एक दिन बाद खोला जा सकता है। मंदिर के गर्भगृह के पास स्थित रत्न भंडार, यकीनन मंदिर की

सबसे कीमती संपत्ति है जिसमें हीरे, सोने और चांदी सहित मंदिर के कई अमूल्य आभूषण हैं। मंदिर के नियमों और प्रथाओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ को चढ़ाए गए सभी सोने और जवाहरात को रत्न भंडार के दो कक्षों- आंतरिक कक्ष और बाहरी कक्ष में रखा जाना चाहिए। हालांकि, बाहरी कक्ष देवताओं के विभिन्न अनुष्ठानों के लिए खोला जाता है और वहां रखे गए आभूषण और कीमती सामान भगवान जगन्नाथ के सुना बेशा के दौरान उपयोग किए जाते हैं, आंतरिक कक्ष 1978 से नहीं खोला गया है। जगन्नाथ मंदिर अधिनियम के अनुसार, हर तीन साल में रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष में रखे सभी कीमती सामानों का ऑडिट होना चाहिए। हालांकि, 1978 के बाद से रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष का कोई उचित ऑडिट नहीं हुआ है। मंदिर के आधिकारिक इतिहास मदला पंजी के अनुसार, राजा अनंगभीम देव ने भगवान जगन्नाथ के स्वर्ण आभूषण तैयार करने के लिए 250 किलोग्राम से थोड़ा अधिक सोना दान किया था। इस साल जनवरी में उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, मंदिर प्रशासन ने कहा कि रत्न भंडार में लगभग 149.47 किलोग्राम के सोने के आभूषण हैं।

हीट स्ट्रोक की मार, काम नहीं कर रहे शरीर के अंग

- ऐक्शन में आई केंद्र सरकार, अस्पतालों को दिया सतर्क रहने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और गर्मी से होने वाली परेशानियों की शिकायत करने वाले मरीजों की बाढ़ सी आ गई है। केंद्र ने शहर के अस्पतालों से हीट स्ट्रोक के मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर भर्ती करने को कहा है। बुधवार को सरकारी एलएनजेपी अस्पताल ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में हीट स्ट्रोक के कारण दो लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक सुरेश कुमार ने कहा, फिलहाल एलएनजेपी अस्पताल में नौ मरीज भर्ती हैं।

संक्षिप्त समाचार

खैनी मांगकर रुकवाई बाइक, फिर पेट में मारा चाकू, विरोध करने पर सिर पर लाठी भी मारी

आरा(भोजपुर)। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के लभुआनी गांव स्थित हनुमान मंदिर के समीप बुधवार को बाइक छिनतई का विरोध करने पर एक युवक को चाकू मारा गया। चाकू दाहिने साइड पेट में लगा है। परिजन ने उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद पटना रेफर कर दिया गया है।

जख्मी युवक पीरो थाना क्षेत्र के तिलाठ गांव निवासी संजय राय का 24 वर्षीय पुत्र अमृत राज है। अमृत राज ने बताया कि आरा से बाइक पर सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहा था। लौटने के क्रम में जैसे ही लभुआनी गांव स्थित हनुमान मंदिर के समीप कसाप वाली रोड की तरफ मुड़ा।

पैशन प्रो बाइक पर सवार दो और अपाची बाइक पर सवार दो युवक आए। बाइक रुकवा कर खैनी मांगा। मैंने कहा खैनी नहीं है। जिसके बाद सिर पर डंडा से मारा और मेरी बाइक को डंडे से मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। बाइक की चाबी छिनने लगे। विरोध किया तो पेट में चाकू मार दिया। प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखकर पटना रेफर कर दिया गया। वहीं, दूसरी ओर जख्मी युवक अमृत राज ने उक्त युवकों पर बाइक व चाबी छिनने का विरोध करने पर खुद को चाकू मारने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

गैरेज में चोरी करते पकड़ाए पिता-पुत्र, लोगों ने बांस के पेड़ से बांध पीटा, दोनों अस्पताल में भर्ती

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सकरा थाना क्षेत्र के सकरा बाजार स्थित एक गैरेज में चोरी करते पिता और बेटे को स्थानीय लोगों ने पकड़ा। उसकी जमकर पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने दोनों को बंधक बना लिया।पिटाई से दोनों चोर बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिता और पुत्र को एक गैरेज में चोरी करते गैरेज मालिक ने रंगे हाथ दबोच लिया। दोनों को बांस के पेड़ से बांधा, उसकी जमकर पिटाई कर दी। सकरा थाना एसआई शिव जतन कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि दो चोर को ग्रामीणों ने चोरी करते पकड़ा है। सूचना के बाद घटना पर पहुंच बंधक बने दोनों चोर को ग्रामीणों की भीड़ से निकाल इलाज के लिए पुलिस ने रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे एसकेएमसीएच भेज दिया। दोनों लोगों का नाम पता का सत्यापन नहीं हो पाया हैं। वही गैरेज मालिक के द्वारा अभी तक आवेदन नहीं दिया गया है।

विद्यालय में बैठी पंचायत, पुलिस ने सुलझाया विवाद

1 दिन पहले की थी मारपीट, शिक्षक-शिक्षका के प्रेम विवाह से भड़के अभिभावक

पूर्णिया। पूर्णिया के बीकोठी स्थित प्राथमिक विद्यालय जंगल टोला में शिक्षक-शिक्षिका के प्रेम विवाह के बाद मंगलवार को हुए हो हंगामे और मारपीट के बाद बुधवार शाम शिक्षक नव दंपती थाने पहुंचे। यहां से पुलिस के संरक्षण में दोनों स्कूल पहुंचे। जहां पब्लिक की मौजूदगी में विवाद सुलझाया गया।

इससे पहले मंगलवार को एक युवती अपने जीजा के साथ स्कूल पहुंच गई और खुद को शिक्षक का प्रेमिका होने का दावा किया। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। जिसके बाद दोनों के साथ हल्की मारपीट भी हुई। हालांकि हालात और बेकाबू होते, इससे पहले ही दोनों वहां से भाग निकले। इसके बाद दोनों ने अपना फोन बंद कर लिया था।

पूरा मामला बीकोठी थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जंगलटोला के शिक्षक इंद्रानंद कुमार और शिक्षिका वृश्चिका से जुड़ा है। शिक्षक इंद्रानंद कुमार बिकोठी के निवासी है तो वहीं शिक्षिका वृश्चिका पटना की रहने वाली है। दोनों एक ही स्कूल में बतौर शिक्षक बहाल हैं। मामले को सुलझाने बुधवार को स्कूल में पुलिस की मौजूदगी में पंचायत बैठी। जहां बच्चे के अभिभावकों और ग्रामीणों को समझाते हुए पुलिस ने कहा कि प्रेम प्रसंग में शादी करना कोई जुर्म नहीं और शिक्षक-शिक्षिका सरकारी कर्मचारी हैं। इसलिए इन्हें स्कूल में अपना काम करने दें। इसके बाद भी किसी को आपत्ति हो तो डीईओ से शिकायत कर इनका यहां से तबादला करा दें। हालांकि पुलिस के समझाने और शिक्षक नव दंपती की ओर से अपना पक्ष रखने पर ग्रामीण मान गए। दोनों अब इस विद्यालय पढ़ाएंगे।

गौरतलब है कि जंगलटोला प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक इंद्रानंद कुमार और शिक्षिका वृश्चिका ने 2 जून को घरवालों की मर्जी से प्रेम प्रसंग में पूर्णिया सिटी स्थित मां पूरण देवी मंदिर से शादी कर ली थी। इसके बाद दोनों 18 जून यानी कल जैसे ही स्कूल पहुंचे। ग्रामीण भड़क गए। हंगामा और मारपीट करते हुए दोनों को यहां से चले जाने को कहा।

इस विवाद में खुद को शिक्षक का प्रेमिका बताने वाली युवती ने आग में घी डालने का काम किया। जिससे हालात और बेकाबू हो गए। नाराज अभिभावक और ग्रामीणों ने हो हंगामा और मारपीट शुरू कर दिया। जिसके बाद किसी तरह दोनों खुद को बचाकर भाग निकले थे।

दुबई जाएंगी बिहार की सब्जियां, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने बताया सरकार का प्लान

पटना। बिहार के सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों की सब्जियों को निर्यात करने की तैयारी की जा रही है। इन सब्जियों को दुबई एवं नेपाल को निर्यात करने की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। शीघ्र ही यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सहकारिता विभाग में बुधवार को सब्जी उत्पादन एवं प्रसंस्करण की समीक्षा बैठक के बाद सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश में खेती किसानी को बढ़ावा देने के लिए काफी काम करते हैं। किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को हर साल 6 हजार की राशि दी जाती है। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उद्योग विभाग एवं कृषि विभाग से समन्वय स्थापित करें। व्यवसाय विकास के लिए तीनों संघों को योजना बनाकर उपलब्ध कराएं। भारतीय सब्जी अनुसंधान केन्द्र वाराणसी में तीनों संघों को निबंधन कराएं ताकि सब्जी उत्पादक समितियों को प्रशिक्षण मिले। मंत्री ने कहा कि इससे किसानों को सीधे फायदा मिलेगा। लोकल मार्केट से बाहर भेजने पर कीमत अच्छी मिलेगी और उनकी आमदनी बढ़ जाएगी। सबजी का व्यवसाय करने वालों की भी कमाई होगी। उन्होंने कहा कि सब्जी निर्यात के लिए बिहार में निर्यात नीति के निर्माण की आवश्यकता है। राज्य में सब्जी निर्यात की प्रक्रिया शुरू होने से सहकारी समितियों के विकास का एक नया अध्याय शुरू होगा। यह सहकारी समितियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। राज्य के सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों एवं संघों के कार्य संचालन के लिए कार्यालय की उचित व्यवस्था की जाए। जिन समितियों के पास भवन निर्मित हो चुके हैं, वे इस भवन से तथा जहां निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ वे किराये पर भवन लेकर कार्य संचालन करें।

पटना-गया सहित 9 जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

पटना। भारतीय रेल बेरोजगार युवाओं की सहूलियत के लिए ट्रेन चलाने जा रही है। डिप्लोमा सर्टिफिकेट एंट्रेस कंपीटिटिव एक्जाम को देखते हुए नौ जोड़ी परीक्षा विशेष ट्रेनें चलेंगे। 03397 पटना-गया अनारक्षित परीक्षा स्पेशल 21, 22 एवं 23 जून को पटना जं. से रात 01.00 बजे और वापसी में गया से 21, 22 व 23 जून को रात 8.00 बजे खुलेगी। इनका परिचालन कराने के पीछे मकसद है कि इन कंपीटिटिव परीक्षा में शामिल होने वाले लड़के लड़कियों को कोई दिक्कत या असुविधा नहीं हो। परीक्षा के समय ट्रेन पर अचानक काफी लोड बढ़ जाता है। इससे न सिर्फ विद्यार्थियों को दिक्कत होती है बल्कि, सामान्य यात्रियों की यात्रा भी भीड़ के कारण सुगम नहीं रह पाती। इन कारणों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

गाड़ी सं. 03205 पटना-डीडीयू अनारक्षित परीक्षा स्पेशल 21, 22 एवं 23 जून, 2024 को पटना जं. से 01.00 बजे खुलेगी। वापसी में 21, 22 एवं 23 जून को डीडीयू से शाम 7.30 बजे खुलेगी। पटना से कटिहार स्पेशल 21, 22 एवं 23 जून को पटना जं. से शाम 3.00 बजे चलेगी। सहरसा से पटना के लिए 21 एवं 23 जून को रात 8.30 बजे स्पेशल खुलेगी। वापसी में 22 एवं 24 जून को शाम 7.10 बजे खुलेगी। रक्सौल-पटना, बेतिया-पटना, मुजफ्फरपुर-छपरा अनारक्षित परीक्षा स्पेशल, मुजफ्फरपुर -भागलपुर स्पेशल 21 एवं 23 जून को मुजफ्फरपुर से रात 10.30 बजे खुलकर अगले दिन सुबह 04.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 05267 भागलपुर-मुजफ्फरपुर अनारक्षित परीक्षा स्पेशल 22 एवं 24 जून को भागलपुर से शाम 7.30 बजे खुलकर अगले दिन रात 12.45 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी।

इन ट्रेनों के परिचालन से परीक्षा देने जाने और घर लौटने में अभ्यर्थियों को काफी सुविधा होगी। वे आसानी से अपने परीक्षा केंद्र तक समय पर पहुंच सकते हैं। इंडियन रेलवे का यह कदम नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं और युवतियों के लिए काफी अच्छा है।

गया में मालगाड़ी से कटकर राजस्थान के शख्स की मौत

पत्नी को लेने ससुराल आया था, मां बोली-ट्रैक क्रॉस करते वक्त चल पड़ी गुड्स ट्रेन; हाथ-पैर कटे

गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के गया रेलखंड के रफीगंज रेलवे स्टेशन के डाउन लूप लाइन में खड़ी मालगाड़ी के अंदर से प्लेटफार्म पार करने के दौरान ट्रेन से कटकर राजस्थान के टोंक के रहने वाले शख्स की मौत हो गई।

मृतक की पहचान मो. शहजाद के 35 वर्षीय बेटे फारूक के रूप में हुई है। घटना बुधवार रात की है। मां ने बताया कि गया में ससुराल है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी को लेने के लिए आया था, लेकिन ससुराल वालों ने मारपीट कर भगा दिया। रफीगंज में एक परिवार के यहां हम लोग थे। रात में टिकट बनवाने के लिए जा रहे थे कि लूप डाउन में मालगाड़ी ट्रेन खड़ी थी। पुल से प्लेटफार्म न चढ़कर अंदर से मेरा लड़का पार कर रहा था। इसी बीच ट्रेन की सिग्नल हुई और ट्रेन चालू हो गई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ एक केसरी ने बताया कि शव के दोनों पैर और एक बांया हाथ पूरी तरह से कट गया था, जिसके चलते उसका काफी खून निकल गया और मौत हो गई। प्राथमिक उपचार बाद बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल रेफर किया गया था, लेकिन मगध मेडिकल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

हथियार के साथ फर्जी गार्ड को किया गिरफ्तार, कारतूस भी बरामद

टोल प्लाजा पर नकली लाइसेंस बनाकर कर रहे थे ड्यूटी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने मनियारी टोल प्लाजा पर नकली दो सिक्योरिटी गार्ड को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। दोनों गार्ड नकली लाइसेंस बनाकर लगभग 15 वर्षों से ड्यूटी कर रहे थे। मामले को लेकर डीएसपी पश्चिम 2 एसी ज्ञानी ने बताया कि टोल प्लाजा का फर्जी लाइसेंस लेकर फर्जी सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर रहे हैं।

जब लाइसेंस का सत्यापन कराया गया तो फर्जी लाइसेंस पाया गया।एक लाइसेंस गोपालगंज का बना हुआ है। इनके पास दोनाली बंदूक और कारतूस बरामद किया गया है।

रैकेट में और भी लोग शामिल हो सकते

पूछताछ में बताया कि कैच सिक्योरिटी

कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड है।इसेके माध्यम से ड्यूटी यहां कर रहे है। वहीं से वेतन भुगतान होता है। लाइसेंस के वेरिफिकेशन के बाद ही ड्यूटी यहां लगाया गया था। मामले में प्रथम दृष्टया सिक्योरिटी कंपनी है। इनके विरुद्ध साक्ष्य संकलन किया जा रहा है। अगर दोषी पाए जाते तो उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी। इस रैकेट में और भी अन्य लोग हैं जो फर्जी लाइसेंस और दस्तावेज तैयार कर रहे हैं। उसकी गिरफ्तारी को लेकर आगे कार्रवाई की जा रही है। जिनकी गिरफ्तारी हुई वे मदन यादव भोजपुर के साहपुर थाना निवासी और सुनील कुमार औरंगाबाद के निवासी हैं। 2009 में लाइसेंस बनाकर सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर रहे थे।

विशाल मेगा मार्ट के सामने से चुरा ली बाइक, मास्टर की लगा ले गया चोर; सीसीटीवी में कैद घटना

औरंगाबाद। औरंगाबाद के एम.जी रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट में एक चोर ने बड़ी आसानी से बाइक चोरी की और फरार हो गया। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है। फुटेज में देखा जा सकता है कि एक चोर बाइक की लॉक खोलने का प्रयास कर रहा है तो दूसरा लोगों पर नजर रख रहा है। घटना को लेकर फेसर थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव निवासी चंदन कुमार ने नगर थाना में तहरीर समर्पित कर बाइक खोजबीन की मांग है। उसने बताया कि मार्ट के आगे वह अपनी बाइक खड़ी कर कुछ सामग्रियों की खरीदारी करने अंदर गया जब वापस लौटा तो देखा कि उसकी बाइक उस जगह से गायब थी। इस दौरान उसने अपने स्तर से काफ़ी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चला। उसने बताया कि चोर ने संभवतः मास्टर चाबी का इस्तेमाल किया होगा, क्योंकि हमारी बाइक लॉक थी। इधर, थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले में एक युवक की शिकायत पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसका एक सीसीटीवी भी सामने आया है।

बिहार के बेरोजगारों के लिए खुशखबरी, मेला लगाकर बांटी जाएंगी नौकरियां

पटना। राज्य के बेरोजगारों के लिए अच्छी खबर है। श्रम संसाधन विभाग ने नियोजन सह मार्गदर्शन मेला के माध्यम से रोजगार देने का निर्णय लिया है। इसके लिए नीतीश सरकार की ओर से जिलों में एक दिवसीय नियोजन सह मार्गदर्शन मेला लगाया जाएगा। इसे रोजगार मेला के नाम से भी जाना जाता है। विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 14 जिलों में लगने वाले रोजगार मेला का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विभाग के अनुसार इस वर्ष रोजगार मेला की शुरुआत कैमूर से होगी। नीतीश कुमार की सरकार राज्य में दस लाख नौकरी और दस लाख रोजगार देने के लिए कृतसंकल्पित है। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दावा करते हैं कि बिहार में नौकरी और रोजगार देने की शुरूआत तब हुई जब आरजेडी सत्ता में आई।

दी गई जानकारी के मुताबिक कैमूर में 24 जून को

रोजगार मेला का आयोजन होगा। इसी तरह डालमियानगर में 26 जून, बक्सर में 27 जून, भोजपुर में 28 जून, औरंगाबाद में 29 जून को रोजगार मेला का आयोजन होगा। जबकि गया में एक जुलाई, नवादा में तीन जुलाई, नालंदा में चार जुलाई, शेखपुरा में पांच जुलाई, खगड़िया में छह जुलाई, बेगूसराय में आठ जुलाई, समस्तीपुर में 10 जुलाई, दरभंगा में 11 जुलाई और मधुबनी में 12 जुलाई को नियोजन सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन होगा। मेला में शामिल होने वालों को एनसीएस पोर्टल पर निबंधन जरूरी है। निबंधन नहीं करने वालों को मेला स्थल पर भी निबंधन की सुविधा दी जाएगी। दरअसल इन दिनों बिहार में नौकरी और रोजगार राजनीति का मुख्य मुद्दा बना हुआ है। एनडीए और विपक्षी महागठबंधन के नेता बिहार के बेरोजगारों को नौकरी देने को लेकर एक दूसरे की खिचाई करते रहते हैं। नीतीश कुमार दावा करते हैं कि पिछले दिनों जो भी नौकरियां दी गईं वे सभी उनकी सरकार ने दिए। उनकी सरकार की यह पूर्व की योजना थी। इसमें राजद के नेताओं का कोई योगदान नहीं है। जबकि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दावा करते हैं कि 17 महीनों को सरकार में डिप्टी सीएम रहते उन्होंने पांच लाख से ज्यादा बेरोजगारों को नौकरी दिलाई। लोकसभा चुनाव में बिहार में यह मुद्दा छाया रहा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में यह बड़ा मुद्दा बनकर उभरेगा।

पुलिस की पिटाई से घायलों से मिलने पहुंचे अजय मंडल

पीड़ितों से बोले डॉक्टर-नाटक कर रहे तुम लोग, कुछ नहीं हुआ है...सभी का नाम काटो

भागलपुर। भागलपुर के गोराडीह थाना क्षेत्र में शुक्रवार को हुए किसान हत्या मामले में पुलिस ने 7 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के दौरान मारपीट की थी। मारपीट की घटना में 6 लोग घायल हुए थे। जिसका इलाज शुक्रवार से ही मायागंज अस्पताल में चल रहा था। बुधवार को दो डॉक्टरों ने पीड़ित को डिस्चार्ज और घर जाने को कहा।

पीड़ित द्वारा कहा गया कि अभी हम चलने लायक नहीं है। हम घर कैसे जाएंगे? काफी रिक्वेस्ट और जनप्रतिनिधियों के पैरवी पर उन्हें फिर से भर्ती किया गया। मामले को लेकर अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि ऐसा कोई बात नहीं है, सभी घायल मायागंज अस्पताल में ही भर्ती हैं।

पीड़ित का बयान: घायल धनेश्वर दास ने बताया कि ड्रामा वार्ड में दो लोग आए दोनों ने पूछा कि क्या हुआ है? आपबीती बताने पर उन्होंने कहा कि यह लोग नाटक कर रहे हैं। सभी को डिस्चार्ज करो, नाम काट दो। इसके बाद उन्होंने रिक्वेस्ट किया तो एक्स-रे के कागजात ले लिया। पीड़ित ने कहा कि हमने जख्म के निशान को दिखाया, कहा मैं चलने के लायक अभी नहीं हूं। अभी मुझे क्यों डिस्चार्ज कर रहे हैं? इसके बाद उन्होंने कागजात लेकर चले गए।

घायल से मिलने पहुंचे सांसद अजय

मंडल: जदयू सांसद अजय मंडल घायल से मिलने बुधवार को मायागंज अस्पताल पहुंचे। जहां पर पीड़ित से उन्होंने मुलाकात की। परिजनों को न्याय का भरोसा दिलाया। कहा, दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा। अजय मंडल ने बताया कि एसपी से निवेदन किया गया है कि दोषियों पर कार्रवाई की जाए इस मामले में पुलिस काम कर रही है। दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा। इधर, स्पेशल सेल के एक अधिकारी परिजनों से पूछताछ करने के लिए पहुंचे। पूछताछ करने आए अधिकारियों ने बताया कि हमने यहां से पीड़ित से बयान ले लिया है आगे से फॉरवर्ड की प्रक्रिया कर रहे हैं।

बेटी के शादी में लिए कर्ज के टेंशन में है पीड़ित : सात घायल में शामिल एक घायल संदीप दास भी है जो अपने बेटी के शादी के लिए कर्ज पर पैसा लिए थे। तीन लाख कर्ज हैं। पुलिस ने उसे परेशान किया। तीन दिन से घायल मायागंज अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं। घर में कमाने वाले सिर्फ वही थे, मजदूरी कर घर का भरण पोषण करते थे। अस्पताल में एडमिट हो जाने के कारण घर की दहनीय स्थिति खराब हो चुकी है। पत्नी और बेटे घर पर ही है। अकेले मायागंज अस्पताल में इलाज चल रहाहै। उन्होंने आगे बताया कि हम मजदूरी करते थे, तो कर्ज वाले को भी पैसे देते थे और घर में राशन भी आता था।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त करायी जायेगी डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा: डीडीसी

बीएनएम। मोतिहारी

परीक्षा नियंत्रक,बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद, पटना से प्राप्त पत्र के आलोक में डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2024 को स्वच्छ निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त समीर सौरभ के द्वारा संयुक्त ब्रिफिंग में कहा गया कि बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद,पटना के द्वारा आयोजित होने वाली डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2024 को स्वच्छ वातावरण में कदाचार मुक्त संपन्न करायी जायेगी। यह परीक्षा जिला में कुल 13 परीक्षा केंद्रों पर दिनांक 22.06.2024 (शनिवार) एवं 23.06.2024 (रविवार)को संपन्न कराई जाएगी। दोनों दिन परीक्षा एक पाली में 11:00 बजे पूर्वाह्न से 1:15 बजे अपराह्न तक संपन्न कराई जाएगी। 22 जून को 3050 अभ्यर्थी तथा 23 जून को 5900 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को सुबह 8:00 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति रहेगी। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पहले अर्थात 10:45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केन्द्रों पर विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी को परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केन्द्रों की 200 मीटर की परिधि में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू करने का निर्देश दिया गया है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक दण्डाधिकारी, वरीय दण्डाधिकारी/केंद्र प्रेक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है जो स्वच्छ वातावरण में परीक्षा सम्पन्न करायेंगे तथा परीक्षा केन्द्रों के आसपास भीड़ न लगे इसे सुनिश्चित करायेगें। इसके अतिरिक्त गश्ती दल दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है जो विधि व्यवस्था सहित शहरी क्षेत्र में फोटो स्टेट की दुकान पर विशेष नजर रखेंगे तथा परीक्षा केन्द्र के निकट के फोटो स्टेट के दुकानों को बंद करा देगें। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी 7:00 बजे पूर्वा० तक अपनी प्रतिनियुक्ति स्थान ग्रहण कर लेंगे। परीक्षा केन्द के भीतर परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अनाधिकृत प्रवेश वर्जित रहेगा तथा परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की तलाशी निश्चित रूप से करा ली जाय। कोई भी परीक्षार्थी किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाईल, ब्लूटूथ, पेजर, आदि लेकर नहीं जायेगा। परीक्षार्थी फुल शर्ट एवं जूता पहनकर केंद्र में प्रवेश नहीं करेंगे। हाफ शर्ट और चप्पल पहन कर परीक्षा देने परीक्षा केंद्र पर जाएंगे। परीक्षा में कदाचार करने या उसे प्रोत्साहित करने एवं आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर जैमर लगाने का आदेश निर्गत है। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जाएगी। सभी केन्द्राधिक्षकों को निर्देश दिया गया कि परीक्षा कक्ष में बैठने सम्बधी सीट प्लान की एक प्रति मुख्य प्रवेश द्वार पर तथा एक प्रति सूचना पट पर लगाना सुनिश्चित करेगें। डीडीसी ने कहा कि परीक्षा केन्द्र पर पुलिस बल की यह जबावदेही रहेगी कि किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केन्द्र प्रभावित नहीं हो। परीक्षा केन्द्र पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, वीक्षक के पास मोबाईल फोन नहीं रहेगा। उड़नदस्ता दल के पदाधिकारी भी मोबाईल लेकर परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश नहीं करेंगे। परीक्षा पर्षद से प्राप्त दिशा निर्देश के आलोक में मीडिया कर्मियों के परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। परीक्षा के दिन 07:00 बजे पूर्वा० से परीक्षा समाप्ति तक 06252- 242418 पर जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा जिसका वरीय प्रभारी डीपीओ, आईसीडीएस को बनाया गया है। इस अवसर पर डॉ राधाकृष्णन सभागार में उप विकास आयुक्त के साथ अपर समाहर्ता पीजीआरओं,जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला आपातकालीन संचालन-सह-प्रशिक्षण केंद्र के नवनिर्मित भवन का डीएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा गुरुवार को जिला के पिपराकोठी में जिला आपातकालीन- सह - प्रशिक्षण केंद्र के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के अवसर पर कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल विभाग मोतीहारी भी उपस्थित थे। कार्यपालक अभियंता के द्वारा बताया गया कि यह भवन पूरी तरह से निर्मित हो गया है और इसमें फर्निशिंग का कार्य भी करा दिया गया है। इस भवन में एसडीआरएफ के लिए कार्यालय एवं प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 59 एसडीआरएफ कर्मी के ठहरने की व्यवस्था है। भवन में बिजली पानी फर्नीचर अग्निशमन यंत्र एवं सीसीटीवी कैमरा लगा दिया गया है। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि भवन का निर्माण कार्य 15 मार्च 2023 को विधिवत प्रारंभ किया गया। 14 फरवरी को यह भवन पूरी तरह से बन कर तैयार हो गया। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा इस भवन को शीघ्र ही संबंधित एजेंसी को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया। इस पर कार्यपालक अभियंता के द्वारा बताया गया कि अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, पूर्वी चंपारण को भवन के हस्तांतरण के संबंध में पत्र लिखा गया है और इसका हस्तांतरण शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा।

27 जून से 10 जुलाई तक जिले में मनेगा सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा

बीएनएम। मोतिहारी

- स्वस्थ 11 से 31 जुलाई तक मनाया जाएगा 'जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा'
- आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र निभाएंगे भूमिका

बढ़ती जनसंख्या को लेकर जन समुदाय को जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा और 'जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा' का आयोजन किया जाएगा। सिविल सर्जन ने बताया कि अवांछित गर्भधारण के कारण मातृ-मृत्यु दर एवं नवजात स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए गर्भ निरोधक, आपातकालीन स्थायी व अस्थायी उपाय एवं परामर्श सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। जिला आशा समन्वयक नंदन झा ने बताया कि 27 जून से 10 जुलाई तक समुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा एवं 11 जुलाई से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का थीम "विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दम्पति की शान" है। इसके तहत जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है। इसमें समुदाय स्तर पर आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी और दो बच्चों के बीच अंतर जरूरी- डीसीएम नंदन झा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में आमजन को जागरूक किया जाएगा। माँ और शिशु स्वास्थ्य को बेहतर करने तथा गर्भनिरोधक उपायों को अपनाने हेतु परामर्श दिया जाएगा। पखवाड़ा के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं के तहत् प्रदान की जाने वाली सेवा यथा- कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई/एमपीए बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पीएसआई इंडिया के जिला समन्वयक अमित कुमार ने बताया कि पखवाड़ा को सफल बनाने हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, स्थानीय शहरी निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्य के साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल मीडिया चैनलों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला बंध्याकरण का लक्ष्य 2 हजार 150, पुरुष नसबन्दी 160, आयुसीडी 4 हजार 745, अंतरा सुई 5 हजार 500, माला 93 हजार 680, कंडोम 2 लाख 34 हजार 200, इसीपी 40 हजार 840, छाया टेबलेट 93 हजार 680 का पूरा किया जाना है।

जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु जागरूकता जरूरी- जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी भारत भूषण ने बताया कि जिले में जनसंख्या नियंत्रण हेतु जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी कराई जाती है। महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि उनके खाते में भेजी जाती है।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत, गुस्साए लोगों ने थाने पर किया जोरदार हंगामा

- परिजनों ने बेरहमी से पिटाई करने का लगाया आरोप
- सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि युवक ने हाजत में गले में फंदा डालकर जान देने की थी कोशिश

बीएनएम। सिकरहना

झरोखर में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने भारी बवाल किया है। झरोखर थाने की पुलिस ने चोरी के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया था। गुरुवार की सुबह हाजत में बंद युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने थाने को घेर लिया और जमकर हंगामा मचाया।युवक की पहचान 30 वर्षीय नन्हक राय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने बुधवार को नन्हक को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। युवक को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे थाने के हाजत में बंद कर रखा था और गुरुवार की सुबह वह मृत पाया गया। इस घटना के बाद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। इस बात की जानकारी जैसे ही मृतक के परिजनों और गांव के लोगों को हुई भारी संख्या में लोग थाने पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से युवक की मौत हुई है हालांकि पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने इतनी बेरहमी से पीटा की नन्हक की जान चली गई। पूरे मामले पर सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि युवक ने हाजत में गले में फंदा डालकर जान देने की कोशिश की थी। जिसके बाद उसे घोड़ासहन के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया हालांकि, मृतक के परिजन इस बात को मानने को तैयार नहीं हैं। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मामले में देर शाम एसपी कान्तेश मिश्रा करवाई। करते हुए हाजत डियूटी में तैनात कर्मी को निलंबित कर दिया। थानाध्यक्ष से करवाई को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की। उन्होंने बताया कि जांच में दोषी पाए जाने वाले और कर्मियों पर करवाई की जाएगी ।

जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर का बयान संसदीय आचरण के विरुद्ध: संजय ठाकुर

बीएनएम। मोतिहारी

जदयू के सीतामढ़ी सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने अपने ब्यान में मुस्लिम और यादव समाज पर वोट नहीं देने के कारण उनकी मदद नहीं करने की घोषणा कर समाज में विद्वेष फैलाने का काम किया है। ऐसा ब्यान लोकतंत्र तथा संसदीय आचरण के विरुद्ध है और दुर्भाग्यपूर्ण भी। जन सुराज उनके इस ब्यान की कड़ी निंदा करता है और उनसे वापस लेने की मांग करता है। जारी एक ब्यान में जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने कहा है कि उनका यह ब्यान उनकी मनः स्थिति को दर्शाता है और यह प्रमाणित करता है कि जिस तरह राजद पिछले बत्तीस वर्षों से मुसलमान और यादव भाइयों को ठग रहा है ठीक उसी तरह नीतीश कुमार और उनका जनता दल यू अब तक उनके लिए घड़ियाली आंसू ही बहाता रहा है। श्री ठाकुर ने कहा है कि एक सांसद जो देश की एकता और अखंडता की शपथ खाता है तथा जो बिहार विधान परिषद का सभापति जैसे मर्यादित पद पर रहा हो उनसे ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती। श्री ठाकुर ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि अभी तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अथवा उनके जदयू की तरफ से ऐसे विवादित ब्यान पर कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है जो इस बात का प्रमाण है कि जदयू का मौन समर्थन है। श्री ठाकुर ने जारी बयान में कहा है कि जब जदयू राजद के साथ रहता है तब मुस्लिमों के लिए उनका झूठा प्यार उबाल मारते रहता है और जैसे ही पाला बदल कर भाजपा की गोद में खेलने लगता है वैसे ही साम्प्रदायिकता उनकी सोंच बन जाती है। श्री ठाकुर ने कहा कि जन सुराज और उसके संस्थापक प्रशांत किशोर एक मात्र सेक्युलरिज्म के मजबूत अलंबरदार है जिनपर आंख मूंदकर भरोसा किया जा सकता है। कारण स्पष्ट है कि वे बाबा -ए- क़ौम महात्मा गांधी के विचारों से लबरेज है और बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर के आईन की हिफाजतदार है। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा है कि अविलंब जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर को अपना ब्यान वापस लेते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि चुनाव जीतने के बाद वे किसी जाति- धर्म विशेष के नहीं सभी के सांसद हैं। जदयू नेतृत्व से भी इस पर स्पष्टीकरण की मांग की है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

समन्वय स्थापित करते हुए ससमय कार्यों को कराएं पूर्ण : जिलाधिकारी

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में समन्वय एवं विकास से संबंधित समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

बीएनएम। बेतिया

जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में समन्वय एवं विकास से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में पश्चिम चम्पारण जिला में समन्वय एवं विकास से संबंधित विषयो की गहन समीक्षा की गयी। इस बैठक का संचालन उप विकास आयुक्त, प्रतिभा रानी द्वारा की गयी। इस बैठक में मुख्यतः जिला के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में बिहार सरकार की विकास योजनाओं अंतर्गत पंचायत भवन निर्माण, पंचायत सरकार भवन निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना, इंदिरा आवास योजना, आइएचएचएल इंट्री योजना अंतर्गत शौचालय निर्माण योजना, गीला व सुखा कचड़ा निस्तारण योजना, मनरेगा योजना आदि योजनाओं की गहन समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में निर्माण कार्य हेतु भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करना, गुणवतापूर्ण निर्माण कार्य, नियमानुसार ससमय भुगतान आदि विषयों पर चर्चा की गयी। जिला पदाधिकारी द्वारा कार्य ससमय गुणवतापूर्ण कराने हेतु आ रही सभी बाधाओं की समस्या का समाधान प्रखंडों के पदाधिकारी, अभियंता व अन्य पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया गया एवं निर्देश दिया गया कि सभी पदाधिकारी वर्षा प्रारंभ होने के पहले आपस में समन्वय स्थापित करते हुए ससमय कार्य पूर्ण करें। अपने कार्य में कोताही बरतने वाले पदाधिकारी एवं कर्मी के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी। उन्होंने कहा कि स्वयं से समाधान नहीं होने की स्थिति में अपने वरीय पदाधिकारी के संज्ञान में लाएं। जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर सहयोग प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि आप सभी पदाधिकारी निचले स्तर के पदाधिकारी हैं। आपके द्वारा किया गया कार्य ही जिलास्तर पर नजर आता है एवं जिला का प्रतिशत अन्य जिलों के मुकाबले नजर आती है। उन्होंने कहा कि किसी भी मजदूर को योजना अंतर्गत कार्य कराने के उपरांत यथाशीघ्र नियमानुसार मजदूरी का भुगतान करें। भुगतान न होने की शिकायत नहीं प्राप्त होनी चाहिए। मनरेगा योजना अंतर्गत दी गयी लक्ष्य के शत-प्रतिशत प्राप्ति हेतु शीघ्र कार्य कराएं। इसके लिए किये जा सकने वाले सभी उपायों को नियमपूर्वक अपनाएं। उप विकास आयुक्त द्वारा योजना अंतर्गत वृक्षारोपण कार्य कराने के निर्देश के आलोक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि बरसात शीघ्र आने वाली है। इसलिए समय रहते वृक्षारोपण कार्य सम्पन्न करायें। इसके लिए जगह को चिन्हित करने आदि सभी कार्य शीघ्र करायें। सभी कार्य कराने हेतु एक दल का गठन करें एवं उन्हें अलग-अलग जगहों पर प्रतिनियुक्त कर कार्यभार सौंपे ताकि कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा सके। सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत कार्य शीघ करना सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। मनरेगा योजना अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा प्रदत्त कार्यों को शीघ्र ईमानदरी व पारदर्शिता से पूर्ण कराने का आदेश पदाधिकारी (पीओ) को दी गयी। इसके लिए सभी आवश्यक निर्देश भी दिया गया। विघ्न आने की स्थिति में वरीय पदाधिकरी के संज्ञान में लाने एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने का परामर्श दिया गया। उपस्थित सभी अभियंताओं को निर्माण कार्य पूर्ण करने, भूमि की उपलब्धता कार्य पूर्ण करने आदि कार्य हेतु सभी सक्षम पदाधिकारियों से सहयोग सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। उपस्थित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी आदि पदाधिकारी से नियमित रूप से स्वयं स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया।

अतिक्रमण मुक्त कर बुलडोजर से गिराई गई गरीबो का आसियाना

आवास की समस्या उत्पन्न होने से खुले आसमान के निचे जी रहे है जीवन

बीएनएम। रामगढ़वा

अंचल क्षेत्र के खरकटवा में सरकारी भूमि पर बसे लोगों पर सरकारी बुलडोजर चलने के बाद इनलोगों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। उनके सामने आवास की समस्या उत्पन्न हो गई है और खुले आसमान के नीचे इनका जीवन चल रहा है। बता दें कि इनके पास बासगीत की भी भूमि नहीं है और जहा इनका घर था वहां से इनको सरकार ने उजाड़ दिया। हालाकि यह कार्यवाही अंचल प्रशासन ने हाई कोर्ट के आदेश पर किया है फिर भी अंचल प्रशासन को उजाड़ने के पहले इनके बासगीत की ब्यवस्था करनी चाहिए थी। जिनके पास निजी जमीन नहीं है उनके सामने अब अनिश्चितता का माहौल है।बता दें कि एक ब्यक्ति की निजी भूमि के आगे सरकारी भूमि पर एक दर्जन परिवारों ने घर बनाया था। इस ब्यक्ति द्वारा हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की थी।इस संबंध में राम रतन पंडित ने हाईकोर्ट में अतिक्रमण की याचिका दायर की थी।इस कार्यवाही में मुन्नीलाल पटेल, झपस महतो, राम गोविंद बैठा, खोभाड़ी महतो, नन्हाक बैठा, अजय बैठा, सीताराम पंडित इत्यादि के घर तोड़े गए हैं।प्रशासन का बुलडोजर चलने के बाद उक्त भूमि पर बसे लोगों व उनके परिवार वालों में अपरा तफरी का माहौल बन गया और वर्षों से घर बनाकर रहने वाले इन एक दर्जन परिवारों को अचानक बेघर होना पड़ा है। अब स्थिति हो गई है कि आखिर वे रहे तो कहां रहे और घर बनाए तो कहां बनाएं। कारण कि इनमें से अधिकांश वैसे लोग हैं जिनके पास अपनी बासगीत की भी भूमि नहीं है। प्रशासन का बुलडोजर चलने के बाद बेघर हुए इन लोगों ने सभी सामान घर से बाहर खेत में रखकर अपनी आंखों के सामने पल भर में टूटे हुए आशियाना देखते रह गए।किंकर्तव्य विमूढ़ बन कर देखते रह गए।जैसा कि पीड़ित लोगों ने बताया वहां सरकारी राशि से भी कई लोगों के आवास बने हुए थे।जिन लोगों का घर टूट गया है उनकी बातों को माने तो इन लोगों ने भूमि मालिक को उनकी जमीन खरीदने हेतु रूपयों का भुगतान पहले कर चुके हैं, लेकिन इनके साथ धोखा हुआ है और भूमि मालिक ने जमीन रजिस्ट्री नहीं की। इसके बाद यह लोग उनके जमीन के सामने वाली सरकारी जमीन पर ही अपना घर बना लिया।बाद में इन्होंने केस करके इन लोगों को वहां से उजड़वा दिया है। सरकारी बुलडोजर का शिकार बने इन लोगों का कहना है कि वह लोग अब उनकी निजी जमीन में अपना घर बनाएंगे। कारण की उक्त भूमि का इन लोगों के द्वारा पहले ही भुगतान किया जा चुका है।

सड़क दुर्घटना मे एक ही गांव के दो युवक की हुई मौत

बीएनएम। रामगढ़वा

सड़क दुर्घटना में एक ही गांव के दो युवकों की मौत की खबर सुनते ही रामगढ़वा के पिपरपाती गांव में कोहराम मच गया है। दोनों युवक छेका कार्यक्रम में शामिल होकर नेपाल से वापस रामगढ़वा लौट रहे थे। जिनकी रघुनाथपुर शिव शक्ति मील के समीप एनएच पर भीषण सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इनकी पहचान पिपरपाती गांव निवासी स्वर्गीय राम अयोध्या प्रसाद के पुत्र राजू प्रसाद और राजेश्वर प्रसाद के पुत्र विकास कुमार प्रसाद के रूप में की गई है। दोनों गांव के ही कन्हैया प्रसाद के घर में आयोजित एक छेका कार्यक्रम में भाग लेने नेपाल गए हुए थे। कन्हैया प्रसाद नेपाल में ही रहते हैं और वहीं पर छका का कार्यक्रम भी आयोजित था इस कार्यक्रम की समाप्ति के बाद दोनों युवक वापस एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरानन पर विपरीत दिशा से आ रही एक स्कॉर्पियो से उनकी सीधी टक्कर हो गई।स्कॉर्पियो वह इसके चालक की भी पहचान मृतक के परिजनों ने की है। समिति सदस्य अजय कुमार ने बताया कि उक्त स्कॉर्पियो रामगढ़वा मौजे गांव के राजेश प्रसाद की है। दोनों लोगों को रामगढ़वा पुलिस ने पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया है। मृतक राजू प्रसाद को दो लड़का व एक लड़की है और सभी नाबालिग हैं। वहीं विकास कुमार प्रसाद को भी तीन नाबालिक लड़के हैं। एक ही गांव में एक साथ दोनों युवको की सड़क हादसे में मौत के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल बना हुआ है। यह सड़क दुर्घटना किस वजह से हुई है इसकी पुलिस पता लग रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी बहुत कुछ का खुलासा हो सकेगा।

अरूंधति रॉय और शेख शौकत हुसैन के खिलाफ यूएपीए की अनुमति लोकतंत्र को कुचलने का एक और उदारहण

बीएनएम। बेतिया

देशव्यापी प्रतिवाद दिवस के तहत बेतिया में स्टेशन परिसर से मार्च निकाल भाकपा-माले ने समहरणालय के समक्ष सभा किया

भाकपा-माले केंद्रीय कमेटी सदस्य विधायक वीरेंद्र गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा अरुंधति रॉय और शेख शौकत हुसैन के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति देना, लोकतंत्र और मतभिन्नता को कुचलने का एक और उदाहरण है. यह फासीवाद के भारतीय ब्रांड का अवश्यंभावी लक्षण है. माले नेता और किसान महासभा के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार राव ने कहा कि उपराज्यपाल, मेधा पाटेकर के खिलाफ फर्जी मानहानि के उस मुकदमे के भी पीछे हैं, जिसमें उन पर दोष सिद्ध हो गया है और सजा वक्त की बात भर है. भाकपा-माले ऐसे दमनकारी क़ानूनों के खात्मे तथा सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए संघर्ष जारी रखेगी. उन्होंने कहा ने कहा कि इसी घटना के खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध का आह्वान पर आज देश व्यापी कार्यक्रम किया गया है तथा इस प्रतिवाद कार्यक्रम के माध्यम से भाकपा-माले लोकतंत्र पसंद सभी नागरिकों से दिल्ली के उपराज्यपाल के इस अलोकतांत्रिक फैसले के खिलाफ मजबूती से उठ खड़े होने की अपील करती है. इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला एन डी ए की मोदी सरकार का बड़ा हमला है। इस तरह के वर्षों पुराने मामले को सामने लाकर मोदी सरकार अपने राजनीतिक मतभिन्नता रखने वाले को जेल में डालकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बड़ा हमला कर रही है। देश की लोकतांत्रिक जनमत मोदी सरकार के ऐसे कुत्सित प्रयासों का ड़टकर विरोध करेगी। कार्यक्रम में माले नेताओं जवाहर प्रसाद, संजय राम, सुरेन्द्र चौधरी, संजय मुखिया, लालजी यादव,हरे राम यादव, जुलकर नैन, दिनेश पटेल, ठाकुर साह, रामबाबू महतो,नंद किशोर महतो, रामेश्वर मांझी, प्रसन्न राम, ठाकुर पटेल, रिखी साह, राजेन्द्र पाल, अशोक यादव आदि मौजूद थे।

ढाई साल पहले कश्मीर में इमारत से गिरे किशोर की पैतृक गांव लौकरिया में हुई मौत

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के घीउवाढार पंचायत के लौकरिया गांव निवासी चंद्र किशोर महतो के पुत्र मुन्ना कुमार (16 वर्ष) की मौत गुरुवार को उसके पैतृक गांव लौकरिया में हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक मुन्ना कुमार को ढाई साल पहले गांव के ही एक ठेकेदार लेकर कश्मीर गया था और चार मंजिली इमारत की पेंटिंग का काम करा रहा था। उसी क्रम में वह किशोर गिरा और उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई। ठेकेदार ने इलाज करा कर उसे उसके घर पहुंचा दिया तब से वह बीमार था जिसकी मौत हो गई। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि इस घटना की सूचना परिजन उन्हें दी तो वे मृतक के घर पहुंच कर जांचोपरांत शव को पोस्टमार्टम में मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिए। उन्होंने बताया कि अभी तक परिजन द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर ली जाएगी, तब तक अनुसंधान जारी है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मृतक दो भाई, दो बहन था जिसमें सबसे बड़ी बहन मंजू कुमारी 19 वर्ष, दूसरी बहन आरती कुमारी 14 वर्ष सबसे छोटा भाई विकास कुमार 12 वर्ष है। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक के माथे पर ही पूरे परिवार का बोझ था। मृतक के पिता चंद्र किशोर महतो भी मजदूरी करते हैं। इस घटना से मृतक के परिवार के लोगों की कमर टूट चुकी है। उसकी माता-सविता देवी, पिता चंद्र किशोर महतो तथा बहन भाइयों का रोते रोते बुरा हाल हो गया है। गरीब परिवार होने के कारण मुन्ना ने पढ़ाई लिखाई छोड़कर रोजी रोजगार में लग गया था, लेकिन विधाता ने उसका साथ नहीं दिया और वह असमय काल के गाल में समा गया गया।

बाइक की टक्कर में चार लोग बुरी तरह घायल, घायलों को गंभीर स्थिति में किया गया रेफर

पुलिस ने दो बाइक किया जब्त

बीएनएम। सुगौली

सुगौली -रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग 28ए पर रफ्तार का कहर जानलेवा साबित हो रहा है। गुरुवार को चिलझपटी पुल के पास विपरीत दिशाओं से आ रहे दो बाइकों के जोरदार टक्कर में बाइक सवार चार लोग बुरी तरह से घायल हो गये हैं। सूचना पर स्थानीय थाना के उप निरीक्षक राजकिशोर सिंह के नेतृत्व में घटना स्थल पर पहुंची पुलिस बल ने दोनों बाइकों को जब्त कर लिया है। वहीं घायलों का इलाज स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया जा रहा है। घायलों में पश्चिम चम्पारण बेतिया मुफस्सिल थाना के हरिबाटिका चौक निवासी सीताराम चौधरी के पुत्र ओमप्रकाश चौधरी तथा हरिबाटिका निवासी सुकदेव महतो के पुत्र नंदू महतो गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। वहीं थाना क्षेत्र के बेलवतीया सीरिस टोला वार्ड सात निवासी ढ़ोडा सहनी के पुत्र नरेंद्र सहनी तथा उसी गांव के फणिन्दर सहनी भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा डॉ.शुभम कुमार ने बताया कि चारों घायलों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। डॉक्टर ने कहा कि चारों को बेहतर इलाज के रेफर कर दिया गया है।

मनरेगा ने पकड़ी रफ्तार,मजदूरों को मिल रहा रोजगार

बीएनएम। बेतिया

पश्चिमी चंपारण जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ग्रामीणों के जीवन में मुस्कान बिखेर रही है। जिले के ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत तेजी से कार्य हो रहे हैं। इससे मजदूरों को गांव में ही काम मिल रहा है।दूसरे राज्यों से लौट कर आए कामगार अपने गांव में ही योजना के तहत जाब कार्ड बनवाकर पईन सफाई, नाला सफाई आदि की खुदाई में जुटे हुए हैं। पश्चिमी चंपारण जिले के चनपटिया प्रखंड के दक्षिणी घोघा पँचायत में मनरेगा योजना से हो रहे सरेही पईन सफ़ाई कार्य मे लगे मजदूर नगीना साह, नंदकिशोर ठाकुर, चुन्नू राउत, अमर साह सहित दर्जनों मजदूरों ने बताया कि मनरेगा योजना से अब गांव में ही रोजगार मिल जा रहा है। गाँव मे रोजगार मिल जाने से अब अपने परिवार के पास ही रहने का मौका मिल जा रहा है। वही कार्यस्थल पर मौजूद पीआरएस अनिल कुमार ने बताया कि पंचायत में मनरेगा योजना से संचालित बिभिन्न योजनाओं जैसे पईन सफाई, सरेही पईन सफाई आदि योजनाओं में करीब दो सौ मजदूरों को रोजगार दिया गया है। वही चनपटिया प्रखंड के मनरेगा पीओ देवकांत कुमार ने बताया कि प्रखंड के सभी पँचायत में मनरेगा से जॉब कार्डधारी मजदूरों को रोजगार दिया जा रहा है। मेरी कोशिश है कि शत-प्रतिशत जॉब कार्डधारी मजदूरों को रोजगार मिलें। इनके लिए जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
ADVANCE EXCEL
COMPUTER BASIC
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

संपादकीय

बढ़ती गर्मी, घटता पानी

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं।

पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है। देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है। सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं। जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

शीर्ष अदालत का सख्त रुख

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की तरफ से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई हो, तब भी उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ मंगलवार को पांच मई को हुई परीक्षा में छात्रों को कृपांक दिए जाने समेत अन्य शिकायतों से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ अब 8 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाओं में परीक्षा में अनियमितता बरते जाने की सीबीआई जांच और नीट-यूजी परीक्षा नये सिरे कराने की मांग वाली याचिकाएं भी शामिल हैं।

अदालत ने एनटीए और केंद्र सरकार से याचिकाओं पर दो हफ्ते के भीतर अपने जवाब दाखिल करने को कहा है। लोक सभा चुनाव परिणाम आने की गहमागहमी के बीच ही नीट-यूजी 2024 परीक्षा के परिणाम भी घोषित किए गए थे। अनेक परीक्षार्थियों के टॉपर्स होने और खासी संख्या में परीक्षार्थियों को कृपांक दिए जाने की जानकारी होने के बाद लगा कि दाल में कुछ काला है। बाद के घटनाक्रम में कुछ गिरफ्तारियां हुई और पटना से लेकर गोधरा तक कई परीक्षा केंद्रों पर व्यापक स्तर पर अनियमितताएं बरती जाने की बातें सामने आने लगीं। परीक्षा में धांधली के संकेत मिलने लगे और परीक्षार्थियों के परिजनों के साथ ही अनेक संगठनों और राजनीतिक दलों ने विरोध प्रदर्शन करने शुरू कर दिए। कुछ परीक्षार्थियों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। मेडिकल की पढ़ाई पर अभिभावक खासा खर्च करते हैं। अभ्यर्थी छात्र सामाजिक जीवन से कटकर मेडिकल पाठयक्रम में प्रवेश परीक्षा की तैयारी में रात-दिन एक कर देते हैं। दरअसल, अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेजों में सीटें पर्याप्त नहीं हैं। जरूरी है कि सरकार सीटें बढ़ाने के लिए ढांचागत आधार को मजबूत करे। एनटीए के वजूद में आने से पहले सीबीएसई और राज्य शिक्षा बोर्ड पीएमटी की परीक्षा आयोजित करते थे जिसके आधार पर प्रवेश आसानी से मिल जाता था। लेकिन इस बीच अभ्यर्थियों की संख्या बढ़ने और एनटीए जैसे निकाय को मेडिकल के अलावा अन्य तमाम परीक्षाओं का आयोजन करने की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इतने बोझ से एनटीए का ढांचा कमजोर दिखलाई पड़ने लगा है, उसके सामने मैनपावर की समस्या भी है। बहरहाल, जरूरी हो गया है कि छात्रों के साथ न्याय हो और इसके लिए रि-नीट-यूजी के अलावा कोई रास्ता दिखाई नहीं पड़ता।

सामयिक : ये कैसा विरोध

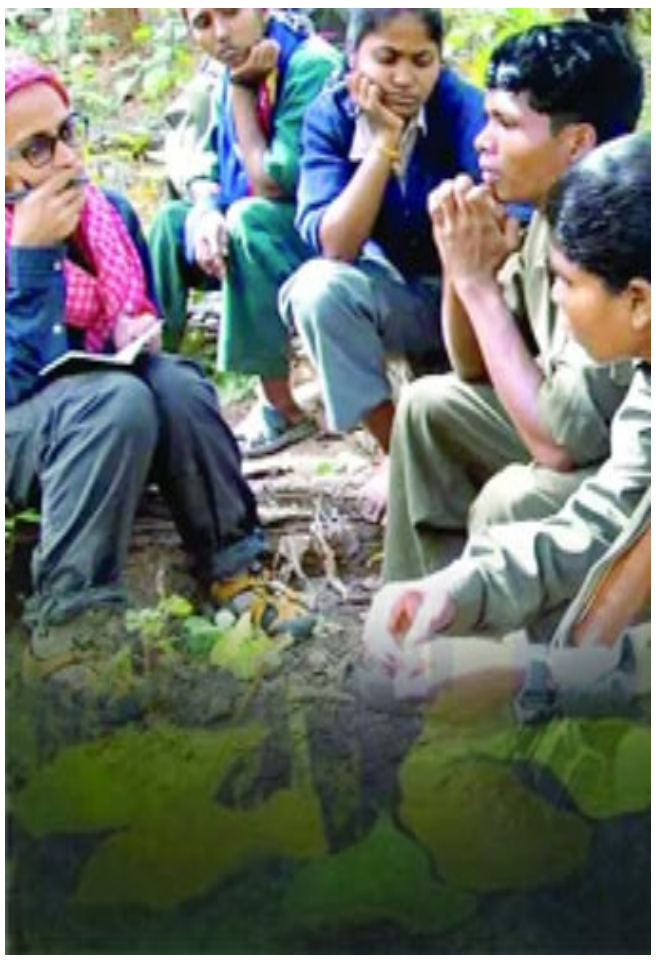

वे माओवादी हिंसा को दरकिनार करके इसे गरीब आदिवासियों का विद्रोह कहती हैं। करीब डेढ़ दशक पहले उन्होंने रेड कॉरिडोर के केंद्र माने जाने वाले बस्तर की गुपचुप यात्रा की और दंडकारण्य में माओवादियों के साथ काफी वक्त बिताया। वे माओवादियों को भाई, साथी या कॉमरेड कह कर लाल सलाम कहने में फख्र महसूस किया करती थीं। उन्हें संविधान और लोकतंत्र आदिवासियों की खिलाफत का अस्त्र नजर आता है। 1997 में प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधती रॉय अपनी किताब 'वॉकिंग विद द कॉमरेड्स' में लिखती हैं-'भारतीय संविधान, जो भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है, संसद द्वारा 1950 में लागू किया गया। यह जनजातियों और वनवासियों के लिए दुःख भरा दिन था। संविधान में उपनिवेशवादी नीति का अनुमोदन किया गया और राज्य को जनजातियों की आवास भूमि का संरक्षक बना दिया गया। मतदान के अधिकार के बदले में संविधान ने उनसे आजीविका और सम्मान के अधिकार छीन लिए।'

अरुंधती अपनी इस किताब में माओवादियों को आंतरिक सुरक्षा का खतरा बताए जाने का मखौल उड़ाती हैं। भारत की यह ख्यात लेखिका मानवाधिकार के मुद्दों पर सरकार पर हमले करने से परहेज नहीं करतीं। अरुंधती कश्मीर में तैनात फौज को जनता की दुश्मन बताती हैं। उन्हें संसद पर हमले के प्रमुख आरोपी अफजल गुरु से हमदर्दी रही। अपने ब्लॉग में वह भारत की पूरी न्याय प्रक्रिया पर कटाक्ष करते हुए कहती हैं-'लेकिन अब जब अफजल गुरु को फांसी दे दी गई है, तो मुझे उम्मीद है कि हमारी सामूहिक अंतरात्मा संतुष्ट हो गई होगी। या फिर हमारे खून का प्याला अभी भी आधा ही भरा है?' 2010 में राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम में उन्होंने सार्वजानिक रूप से कहा-'कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था और उस पर भारत के सशस्त्र बलों ने जबरन कब्जा कर लिया था।'

कश्मीर की पृथकतावादी ताकतों के लिए अरुंधती पसंदीदा चेहरा हैं, और उनके विचारों को वे भारत के बौद्धिक वर्ग की आवाज कह कर दुनिया भर में प्रचारित करते हैं। 2010 में दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया था। उन पर भारत विरोधी भाषण देने और कश्मीरी अलगाववाद का समर्थन करने का आरोप लगाया गया। अब अरुंधती रॉय के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मुकदमा चलेगा। अरुंधती अच्छी लेखिका हैं, और उन्हें पसंद करने वाले देश-विदेश के कई लोग हैं, जिन्हें लगता है कि अरुंधती पर मुकदमा कायम करना,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रोकने जैसा है। 2023 के फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले में सलमान रुश्दी ने अरुंधति पर मुकदमा चलाने के कदमों की आलोचना करते हुए कहा था-'वह भारत की महान लेखिकाओं में से एक हैं, और बहुत ईमानदार और जुनूनी इंसान हैं। उन मूल्यों को व्यक्त करने के लिए उन्हें अदालत में लाने का विचार शर्मनाक है।'

भारत की विविधता और जटिलता में बहुत सारे विरोधाभास हैं, और इसे स्वीकार भी किया जाना चाहिए। अरुंधती ने अपनी लेखनी और आंदोलनों में हिस्सा लेकर इन्हें समाज के सामने लाने में महती भूमिका निभाई है। आजादी और स्वतंत्रता की पक्षधर इस लेखिका को 45वें यूरोपीय निबंध पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। अरुंधती भारतीय लेखिका के रूप में देश-विदेश में आमंत्रित की जाती हैं, लेकिन वे अक्सर भारत की छवि को निरंकुशता के करीब ले आती हैं। अरुंधती गरीब आदिवासियों के लिए भारतीय संविधान को शोषण के अस्त्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए दिखाई पड़ती हैं।

संविधान का अवलोकन करें तो उनके दावों से उलट आदिवासियों की सुरक्षा, संरक्षण और विकास के लिए कई उपबंध शामिल किए गए हैं। अनुच्छेद 15(4) अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक उन्नति के लिए विशेष प्रावधान सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 46, राज्य को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने और उन्हें सामाजिक अन्याय एवं सभी प्रकार के शोषण से संरक्षित करने का निर्देश देता है। अनुच्छेद 350 विशिष्ट भाषाओं, लिपियों या संस्कृतियों के संरक्षण के अधिकारों का प्रावधान करता है। लोकतांत्रिक देश में व्यापक प्रतिनिधित्व के लिए संविधान में संसद और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। संविधान की पांचवी अनुसूची के अंतर्गत संवैधानिक प्रावधान भूमि अधिग्रहण आदि के कारण जनजातीय आबादी के विस्थापन के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करते हैं।

भारत का रेड कॉरिडोर का क्षेत्र सशस्त्र विद्रोह के लिए जाना जाता है, और यह इलाका हिंसाग्रस्त रहा है। अरुंधती आदिवासियों के हितों के लिए मुखर रहें, यह उनका अधिकार है लेकिन संविधानिक तंत्र को शोषित वर्ग के खिलाफ प्रचारित करने की उनकी कोशिशें भारत की आंतरिक शांति को भंग करती दिखाई पड़ती है। भारत का संविधान अभिव्यक्ति की आजादी को देश के रचनात्मक विकास के लिए जरूरी तो बताता है लेकिन देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए भी सजग है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124-ए में देश की एकता एवं अखंडता को हानि पहुंचाने के प्रयास को देशद्रोह के रूप में परिभाषित किया गया है। देशद्रोह के अंतर्गत शामिल हैं, सरकार विरोधी गतिविधि और उसका समर्थन, देश के संविधान को नीचा दिखाने का प्रयास और कोई ऐसा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, लिखित या मौखिक कृत्य जिससे सामाजिक स्तर पर देश की व्यवस्था के प्रति असंतोष उत्पन्न हो।

अरुंधती ने अपने एक लेख में कहा था-'एक मछुआरे के लिए यह मान लेना कितना गलत है कि वह अपनी नदी को अच्छी तरह जानता है।' दरअसल, अरुंधती को भारत, उसके विरोधाभास, समस्याएं, संविधान और लोकतंत्र को ठीक तरीके जानने और समझने की जरूरत है। वे महात्मा गांधी की भूमिका और उनके कद की आलोचना भी कर चुकी हैं। उन्होंने गांधी के उस संदेश को समझने का प्रयास ही नहीं किया कि सामाजिक न्याय की समस्याओं के हल लोकतांत्रिक और अहिंसा के रास्ते भी तलाशे जा सकते हैं। अरुंधती रॉय और उन जैसे बुद्धिजीवी अभिव्यक्ति की आजादी का कवच धारण कर संविधानिक ढांचे और लोकतंत्र को अक्सर चुनौती देते हैं। यह उनका अधिकार हो सकता है, लेकिन देश उनसे बेहतर नागरिक होने की भी अपेक्षा करता है।

-डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

रेल हादसा : बहुत कुछ करना बाकी

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में गत सोमवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से 30 किमी. दूर रंगापानी स्टेशन के पास मालगाड़ी ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोगों से अधिक घायल हो गए। एक तरफ जहां देश में सुपर फास्ट वंदेभारत जैसी ट्रेन पटरी पर दौड़ रही हैं, रेल सेवाओं के आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन में तेजी लाने की दिशा में काम किया जा रहा है, तो रेल भिड़ंत की घटनाएं रेल सेवाओं के प्रबंधन पर सवाल उठा रही हैं।

ट्रेन हादसों से जहां करोड़ों की आर्थिक क्षति होती है वहीं यात्रियों की असामयिक मौत प्रियजनों को सदैव के लिए पीड़ा दे जाती है। रेलवे सुरक्षा आयोग की 2022-23 रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार 2020-2021 में 2 गंभीर सहित कुल 22 दुर्घटनाएं, 2021-22 में 2 गंभीर सहित कुल 35 दुर्घटनाएं और 2022-23 में 4 गंभीर सहित 48 रेल दुर्घटनाएं हुई। इनमें रेलवे कर्मचारियों की गलती से 2021-22 में 15 और 2022-23 में 34 दुर्घटनाएं हुई जबकि पिछले 10 वर्ष में कुल 897 रेल दुर्घटनाएं हुई।

इनमें 87 गंभीर दुर्घटनाएं रहीं। हालांकि 2013-14 के बाद से रेल दुर्घटनाओं के ग्राफ में कमी का रुझान है। दुर्घटनाओं से रेलवे संपत्ति की क्षति की बात करें तो पिछले 10 वर्ष में रेलवे को 2015-16 में 64.46 करोड़ रुपये की सर्वाधिक क्षति हुई। 2020-21 ऐसा वर्ष रहा जिसमें सबसे कम 36 लाख क्षति रही जबकि 2021-22 में 3.15 करोड़ और 2022-23 में 55.81 करोड़ रुपये की क्षति हुई। इस घटना में रानीपतरा रेलवे स्टेशन और चत्तर हाट जंक्शन के बीच स्वचालित सिग्नल प्रणाली सुबह 5.50 बजे से खराब थी। सिग्नलिंग प्रणाली फेल होने पर स्टेशन मास्टर ने कंचनजंगा एक्सप्रेस और मालगाड़ी को 'टीए 912' लिखित अधिकार पत्र जारी कर लाल हुए सिग्नलों को पार करने की अनुमति दी थी।

एक ही ट्रैक पर जा रही मालगाड़ी ने लापरवाही के चलते कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। भीषण टक्कर से गार्ड डिब्बे के परखचे उड़ गए। पार्सल रैक का डिब्बा उछल कर मालगाड़ी के इंजन पर जा चढ़ा और कई डिब्बे पटरी से इधर-उधर छिटक गए। मालगाड़ी के लोको पायलट और कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड की मौत हो गई। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन एवं सीईओ जया वर्मा सिन्हा का दावा है कि प्रथम दृष्टया जांच में सामने आ रहा है कि हादसा मानवीय चूक के कारण हुआ। लोको पायलट ने सिग्नल को तोड़ा जिससे मालगाड़ी की कंचनजंगा एक्सप्रेस से जोरदार टक्कर हुई।

हादसा कई प्रश्न खड़े कर रहा है कि आखिर, मालगाड़ी के लोको पायलट से यह चूक कैसे हुई? मालगाड़ी की स्पीड इतनी तेज क्यों रही? खराब सिग्नल क्यों जल्दी से ठीक नहीं हो सका? संचालन के बीच लापरवाही का क्या कारण रहा? जिस रेल सुरक्षा कवच का डंका बजाया जा रहा था वह इस ट्रैक पर अब तक क्यों नहीं लगा?

दो जून, 2023 को ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस सहित तीन टेनों की टक्कर लोग भूले नहीं हैं, जिसमें 296 की मौत और करीब एक हजार लोग घायल हुए थे। 29 अक्टूबर, 2023 को आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर स्पेशल ट्रेन हादसे, विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर टक्कर और 13 यात्रियों की मौत सहित 12 अक्टूबर, 2023 को बिहार के बक्सर में रघुनाथपुर स्टेशन के समीप पटरी से उतरी कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे में 4 की मौत और 75 घायल की घटनाओं से रेलवे ने शायद सीख नहीं ली है।

रेल हादसे न हों उसके लिए रेलवे करीब दो साल पहले सुरक्षा कवच सिस्टम लाई थी। लेकिन आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत निर्मित रेलवे का यह कवच सिस्टम बेहद धीमी गति से रेलवे मागरे पर लगाया जा रहा है। भारत में कुल 68,083 किमी. रेल नेटवर्क है। आठ साल पहले फरवरी, 2016 में इस कवच सिस्टम का पहली बार यात्री ट्रेन में लगा कर ट्रायल किया गया था। अभी तक रेलवे 1465 किमी. ट्रेन रूट पर ही कवच सिस्टम लगा सकी है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर 2951 किमी. में कवच सिस्टम लगाने का काम बाकी है जबकि 35,736 किमी. और रेलमार्ग पर कवच सिस्टम लगाने की मंजूरी मिली है। रेलवे बोर्ड चेयरमैन का कहना है दिल्ली-गुवाहाटी में कवच लगाना अगली योजना में है। उनका दावा है कि पूरे भारत के रेलवे ट्रैक पर मिशन मोड में धीरे-धीरे कवच लगाने की योजना है। इस पर भी सवाल है कि सुरक्षा के लिए यदि कवच लगाने का काम इसी तरह धीमी चाल से चलता रहा तो पूरे 68,083 किमी. रेलवे ट्रैक पर कवच लगाने में दशकों लग जाएंगे। बड़ा सवाल यह भी है कि रेलवे द्वारा पदों की भर्ती में देरी भी इन हादसों की ओर इशारा करती है। रेलवे के पास जुलाई, 2023 तक करीब ढाई लाख पद रिक्त थे।

-अनिरुद्ध गौड़

आज का पंचांग

21 जून 2024 को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि है। इस तिथि पर ज्येष्ठा नक्षत्र और शुभा योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो शुक्रवार को अभिजीत मुहूर्त 11:54-12:50 है। राहुकाल दोपहर 10:38-12:22 मिनट तक रहेगा।

आज का राशिफल

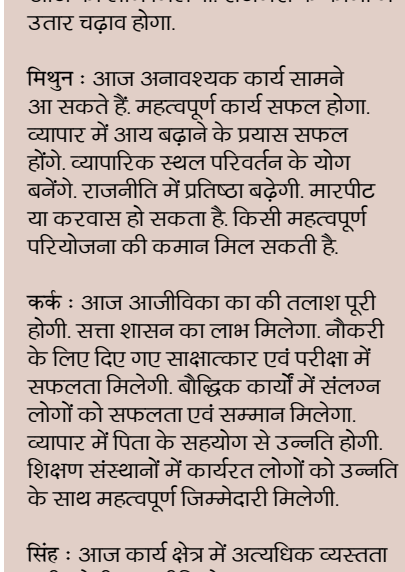

मेष : आज कार्य क्षेत्र में कोई विश्वास पात्र व्यक्ति छल कर सकता है. अतः बेहद सजग, सावधान रहें. नौकरी में आपकी बौद्धिक क्षमता के कारण सभी लोग जलन का अनुभव करेंगे. व्यापार में विस्तार की योजना सफल होगी. यात्रा में किसी अनजान व्यक्ति से कुछ भी लेकर खाना आपके लिए घातक सिद्ध होगा.

वृषभ : आज कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. ग्रह गोचर भाग्य विकास में सहायक है. विचारधारा योजना को कार्य रूप देने में सफलता मिलेगी. अतीत के संदर्भ में नहीं खोज का लाभ मिलेगा. रोजमर्रा के कामों में उतार चढ़ाव होगा.

मिथुन : आज अनावश्यक कार्य सामने आ सकते हैं. महत्वपूर्ण कार्य सफल होगा. व्यापार में आय बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे. व्यापारिक स्थल परिवर्तन के योग बनेंगे. राजनीति में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. मारपीट या करवास हो सकता है. किसी महत्वपूर्ण परियोजना की कमान मिल सकती है.

कर्क : आज आजीविका का की तलाश पूरी होगी. सत्ता शासन का लाभ मिलेगा. नौकरी के लिए दिए गए साक्षात्कार एवं परीक्षा में सफलता मिलेगी. बौद्धिक कार्यों में संलग्न लोगों को सफलता एवं सम्मान मिलेगा. व्यापार में पिता के सहयोग से उन्नति होगी. शिक्षण संस्थानों में कार्यरत लोगों को उन्नति के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी.

सिंह : आज कार्य क्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता बनी रहेगी. राजनीति में जनता का भरपूर सहयोग मिलेगा. भूमि के कार्य में लगे लोगों को सरकारी योजना का लाभ मिलेगा. नौकरी में परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य से घर से दूर रहना पड़ सकता है. अपने कार्य स्वयं ही करें.

कन्या : आज दिन की शुरुआत व्यर्थ भाग दौड़ एवं तनाव के साथ होगी. किसी अनहोनी की आशंका बनी रहेगी. अकारण समाज में अपमानित होना पड़ेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य में विघ्न बाधा आ सकती है. व्यापार में मंदा रहेगा. कार्य क्षेत्र में आपका मन कम लगेगा.

तुला : आज राजनीति में वर्चस्व स्थापित होगा. व्यापार में नए सहयोगी लाभकारी सिद्ध होंगे. वाहन खरीदने की पुरानी अभिलाषा आज पूर्ण होगी. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा. कला, अभिनय के क्षेत्र से जुड़े लोगों को उच्च सफलता मिलेगी. नौकरी में उचित अधिकारियों से निकटता बढ़ेगी. कोर्ट कचहरी के मामले में पैरवी अच्छे से करें.

वृश्चिक : आज दिन की शुरुआत शुभ समाचार के साथ होगी. राजनीति में अपार जन समर्थन मिलने के योग हैं. कार्य क्षेत्र में आपके प्रबंधन की सराहना होगी. नौकरी में नौकर चाकर वाहन का सुख मिलेगा. अपने महत्वपूर्ण कार्य करने की योजना बनेगी. किसी अन्य पर न छोड़े. आप स्वयं करें.

धनु : आज कारावास में जाते जाते बच जाएंगे. किसी अन्य के कारण आपके जीवन में आई विषमताएं समाप्त होगी. राजनीतिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. किसी दूर देश के प्रतिजन का शुभ संदेश मिलेगा. संगीत से जुड़े लोगों को मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी. व्यापारिक क्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे.

मकर : आज किसी अधूरे पड़े महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. कार्य क्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे. मनपसंद स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा. नौकरी में पदोन्नति के साथ मनचाहा कार्य करने को मिल सकता है. किसी नए आगंतुक का घर आगमन होगा. विरोधी की गतिविधियों का ध्यान रखें.

कुंभ : आज मन में बुरे-बुरे विचार अधिक आएंगे. किसी अनहोनी की आशंका बनी रहेगी. भोग विलास में रुचि अधिक रहेगी. कार्य क्षेत्र में अकारण वाद विवाद हो सकता है. किसी के झगड़े में भाग लेने से बचें. अन्यथा बात पुलिस तक पहुंच सकती है.

मीन : आज रोजगार की तलाश पूरी होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा ससुराल पक्ष के सहयोग से दूर होगी. कार्य क्षेत्र में नौकर चाकर का सुख बढ़ेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी से निकटता का लाभ मिलेगा. दूर देश की यात्रा के योग बनेंगे. चर्म उद्योग से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलेगी. परिवार में कोई मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होगा. संबंध में आई दूरियां समाप्त होगी.

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिटेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनामी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है। दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकैंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

चेन्नईयिन एफसी ने ब्राजीली मिडफील्डर लुकास ब्रैम्बिला के साथ किया करार

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने 2024-25 सत्र से पहले एक साल के लिए ब्राजील के मिडफील्डर लुकास ब्रैम्बिला के साथ करार किया है। लुकास ब्रैम्बिला साइप्रस के शीर्ष स्तरीय क्लब ओथेलोस एथिनोउ से मरीना माचांस (चेन्नईयिन एफसी का दूसरा नाम) में शामिल हो गए हैं। फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "चेन्नईयिन एफसी 2024-25 सत्र से पहले अपने रोस्टर में मिडफील्डर लुकास ब्रैम्बिला को शामिल करने की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। ब्राजील के इस खिलाड़ी ने दुनिया भर की विभिन्न लीगों में खेला है और क्लब में उनके पास अनुभव और कौशल का खजाना है।" चेन्नईयिन के साथ एक साल के करार पर जुड़ते हुए, मिडफील्डर का आगमन 2024-25 सत्र के लिए क्लब का नौवां हस्ताक्षर और एल्सिन्हो डायस, चीमा चुक्वू और विलमर जॉर्डन गिल के बाद उनका चौथा विदेशी अधिग्रहण है। चेन्नईयिन एफसी के साथ करार पर 29 वर्षीय लुकास ने कहा, "मैं इस महान क्लब में शामिल होकर बहुत खुश और

सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उम्मीदें बहुत बड़ी हैं और मैं इस शर्ट को पहनने और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का और इंतजार नहीं कर सकता।" हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ब्रैम्बिला एक रोमांचक खिलाड़ी हैं और अपने रचनात्मक कौशल से टीम को लाभ पहुंचाएंगे।

कॉयल ने विज्ञप्ति में कहा, "लुकास ब्रैम्बिला एक बहुत ही रोमांचक खिलाड़ी हैं और वह उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनके बारे में हम बात कर रहे थे। खासकर युवा भारतीय खिलाड़ियों को उसके रचनात्मक कौशल से लाभ मिलेगा। वह गोल करते हैं, गोल बनाते हैं, सेट-प्ले डिलीवरी करते हैं और टीम में आने से उत्साहित हैं। ब्राजीलियों के साथ क्लब में हमें जो शानदार खुशी मिली है। यह राफा के साथ मेरे काम करने के समय के समान है और ब्रैम्बिला उसी तरह के हैं। वह एक शानदार मनोरंजक, अच्छी तरह से कुशल और ब्राजीली फुटबॉल क्लब के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा के साथ आते हैं। इसलिए हम उत्साहित हैं।" उन्होंने कहा, "लड़कों को उनके हस्ताक्षर के लिए बहुत प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। पिछले साल साइप्रस में उनके शानदार सत्र और फिर से एक बहुत अच्छी लीग खेलने के कारण पूरे यूरोप में उनका पीछा किया गया। इसलिए हम लुकास के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं और उम्मीद करते हैं कि हम उन्हें चमकने और खिलने में मदद कर सकते हैं और एक खिलाड़ी के रूप में सुधार करना जारी रख सकते हैं।"

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय पुरुष कोचिंग शिविर के लिए 27 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 27 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की, जो बेंगलुरु के साई सेंटर में 21 जून से शुरू होगा और 8 जुलाई तक चलेगा। हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया, "यह शिविर महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय टीम पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को और बेहतर बनाने की कोशिश करेगी। भारतीय पुरुष टीम को बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। वे 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेंगे।" टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में सफल प्रदर्शन के बाद शिविर में लौटी है, जहां वे वर्तमान में 16 मैचों में 24 अंक अर्जित करने के बाद चौथे स्थान पर हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने शिविर के महत्व के बारे में बताया। फुल्टन ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा,

"हम इस शिविर में प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण खंड शुरू करना चाहते हैं, और हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हों। खिलाड़ियों ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अपने मैचों से बहुत कुछ सीखा है। इससे हमें यह समझने में मदद मिली है कि हमें कहां सुधार करने की आवश्यकता है। हमारे पास उन क्षेत्रों पर काम करने के लिए बहुत समय है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का एक मजबूत मिश्रण है जो कुछ भी जीतने में सक्षम हैं।"

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए 27 सदस्यीय कोर समूह इस प्रकार हैः- कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, आमिर अली, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह, आकाशदीप सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, बॉबी सिंह धामी और अरजीत सिंह हुंदल।

टी-20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श गेंदबाजी के लिए उपलब्ध

एंटीगुआ। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने 2024 टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में गेंदबाजी के लिए खुद को तैयार घोषित किया है, जिससे ऑस्ट्रेलिया को एंटीगुआ में बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले एक और विकल्प मिल सके। मार्श ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल छोड़ने के बाद से गेंदबाजी नहीं की है और उनकी वापसी के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाया गया है। मार्श ने गुरुवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, "मैं गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहूंगा। हमारे पास जो लाइन-अप है, उसे देखते हुए मुझे वास्तव में गेंदबाजी करने की आवश्यकता नहीं दिखती है, लेकिन मुझे लगता है कि इस प्रारूप

में विकल्प होना वास्तव में महत्वपूर्ण है और हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।" ऑस्ट्रेलिया को मार्श के गेंदबाजी से दूर रहने के कारण कोई कमी महसूस नहीं हुई है, क्योंकि मार्कस स्टोइनिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्होंने सुपर आठ में संभावित परिस्थितियों को देखते हुए 12 ओवर स्पिन का इस्तेमाल किया। अगर ऑस्ट्रेलिया ने एश्टन एगर को दूसरे फ्रंटलाइन स्पिनर के रूप में फिर से मैदान में उतारा और फैसला किया कि उन्हें सीम के कुछ अतिरिक्त ओवरों की आवश्यकता है, तो मार्श की गेंद के साथ भूमिका अधिक संभावित परिदृश्य बन जाएगी। गेंदबाजी से थोड़ा ब्रेक लेना हमेशा अच्छा लगता है और मैं अक्सर इस बारे में मज़ाक करता हूँ। लेकिन मार्कस और मैं अक्सर ऑलराउंडर के तौर पर इस बारे में बात करते हैं, हमें खेल में बने रहना पसंद है।" मार्श ने यह नहीं बताया कि ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश के खिलाफ तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा या स्कॉटलैंड के खिलाफ इस्तेमाल किए गए आक्रमण का संतुलन बनाए रखेगा।

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन का निधन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन का गुरुवार को बेंगलुरु में 52 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने 1996 में दो टेस्ट मैच खेले थे और तीन विकेट लिए थे। जॉनसन की बेंगलुरु में एक अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने के बाद मौत हो गई। उनके करीबी लोगों के अनुसार, जॉनसन को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनका घरेलू करियर 39 प्रथम श्रेणी मैचों तक फैला रहा, जिसमें उन्होंने 125 विकेट लिए। उन्होंने चार बार पांच विकेट और एक बार दस विकेट भी लिए। जॉनसन सबसे तेज भारतीय गेंदबाजों में से एक थे और घरेलू सर्किट में उनके प्रदर्शन (1995-96 के रणजी ट्रॉफी सत्र के दौरान केरल के खिलाफ 152 रन देकर 10 विकेट) ने उन्हें भारतीय टीम में जगह दिलाई। उन्होंने 1996 में नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में अपना टेस्ट डेब्यू किया। ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के दौरान वे माइकल स्लेटर को आउट करने में सफल रहे। दाएं हाथ के गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका दौरे का भी हिस्सा थे, लेकिन

उन्हें केवल पहले टेस्ट में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने हर्शल गिब्स और ब्रायन मैकमिलन के विकेट लिए। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त की। शाह ने लिखा, "हमारे पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन के परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना। खेल में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।" भारत के पूर्व कोच और दिग्गज लेग-स्पिनर अनिल कुंबले ने लिखा "मेरे क्रिकेट साथी डेविड जॉनसन के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। बहुत जल्दी चले गए 'बेनी'।"

व्यापार

शेयर बाजार पर फिलहाल दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि बिकवाली के दबाव के बीच खरीदार भी लगातार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोटक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, बीपीसीएल और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 1.34 प्रतिशत से

लेकर 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एचडीएफसी लाइफ, सन फार्मास्यूटिकल्स, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.67 प्रतिशत से लेकर 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,194 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,449 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 745 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 217.24 अंक उछल कर 77,554.83 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक थोड़ी देर के लिए वापस हरे निशान में भी लौटा। लेकिन इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक लाल निशान में गिर कर कारोबार करने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 136.04 अंक की गिरावट के साथ 77,201.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 70.15 अंक की मजबूती के साथ 23,586.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। पहले घंटे के कारोबार के दौरान ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव ही बना नजर आ रहा है, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार लाल निशान में बना हुआ है। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 30.30 अंक टूट कर 23,485.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 36.45 अंक की बढ़त के साथ 77,337.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 36.30 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,516 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

किसानों के बाद मध्य आय वर्ग को राहत की उम्मीद, स्मॉल सेविंग स्कीम्स की बढ़ सकती है ब्याज दर

नई दिल्ली। किसानों को राहत देने के लिए 14 फसलों की एमएसपी बढ़ाने के बाद केंद्र सरकार मध्य आय वर्ग को भी राहत पहुंचाने वाली है। उम्मीद की जा रही है कि इस साल जुलाई में केंद्र सरकार लघु बचत योजनाओं (एसएसएस) की ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का फैसला ले सकती है। केंद्र सरकार तिमाही आधार पर लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा करती है। इसके आधार पर इन योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव करने का फैसला लिया जाता है। इसके पहले मार्च के अंतिम सप्ताह में अप्रैल से लेकर जून 2024 तक के लिए लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों को तय किया गया था। अब अगले सप्ताह केंद्र सरकार लघु बचत योजनाओं की समीक्षा के बाद ब्याज दरों में बढ़ोतरी का फैसला ले सकती है। इन लघु बचत योजनाओं में सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई), पब्लिक

प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एनएससी), वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) और महिला सम्मान बचत योजना जैसी योजनाएं शामिल है। इसके अलावा मंथली इनकम स्कीम और किसान विकास पत्र जैसी योजनाएं भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत फिलहाल 8.2 प्रतिशत ब्याज दिया जाता है। मंथली इनकम स्कीम के तहत 7.4 प्रतिशत, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र योजना के तहत 7.7 प्रतिशत, पब्लिक प्रोविडेंट फंड स्कीम के तहत 7.1 प्रतिशत, किसान विकास पत्र के तहत 7.5 प्रतिशत, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 8.2 प्रतिशत, और महिला सम्मान सेविंग स्कीम के तहत 7.5 प्रतिशत, ब्याज का भुगतान किया जा रहा है। माना जा रहा है कि जुलाई से अगस्त की तिमाही के लिए इन बचत योजनाओं में 0.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की जा सकती है।

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 267-281 रुपये तय

मुंबई/नई दिल्ली। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की योजना 1,500 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि उसका आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा, लेकिन बड़े निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे। इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आरंभिक शेयर बिक्री में एक हजार करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है। ब्रोकिंग कंपनियों ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप)

7,860 करोड़ रुपये आंका है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 720 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल कर्ज भुगतान के लिए करेगी, जबकि एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। दिसंबर, 2023 तक कंपनी के खातों पर कुल कर्ज करीब 808 करोड़ रुपये था। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को एबीडी के तौर पर जाना जाता है। यह भारतीय निर्मित विदेशी शराब कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है। यह व्हिस्की, रम, वोदका, ब्रांडी और अन्य स्पिरिट का एक प्रमुख वितरक है, जिसका दुनियाभर के 22 देशों में निर्यात होता है।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोना-चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगभग सपाट स्तर पर कारोबार होता नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज सोना मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। सर्राफा बाजार की मंद चाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 72,460 रुपये से लेकर 72,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के बीच कारोबार कर रहा है। चेन्नई में 24 सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर बिक रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 66,790 रुपये से लेकर 66,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। चांदी के

भाव में भी ज्यादा बदलाव नहीं होने की वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,360 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज 10 रुपये प्रति 10 ग्राम की सांकेतिक कमजोरी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का टीजर जारी

इस बार आर या पार की होगी लड़ाई

अमेजन प्राइम वीडियो पिछले दो हफ्ते से मिर्जापुर 3 के पोस्टर और वीडियो के जरिए इसकी रिलीज डेट को लेकर लगातार दर्शकों को हिंट दे रहा है। इसी बीच अब मेकर्स ने हाल ही में मिर्जापुर 3 का टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें पहले के दो सीजन से भी ज्यादा खौफ और भौकाल देखने को मिल रहा है।सामने आए टीजर ने दर्शकों का दिल और दिमाग झकझोर कर रख दिया है। मिर्जापुर 3 के टीजर की शुरुआत जंगल में शेरों की झलकियों से होती है और बैकग्राउंड में बाउजी कुलभूषण खरबंदा की आवाज सुनाई दे रही है। जो सीरीज के सभी स्टारकास्ट की तुलना किसी न किसी जानवर से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शेर से भिड़ने के लिए इस बार जंगल में जंगली बिल्लियां चालाक लोमड़ियां और तूफानी चीता तैयार है। इन सभी की नजरें मिज़ार्पुर के सिंहासन पर है। ट्रेलर में अपना दबदबा कायम रखने के लिए कहानी का हर किरदार नए दांव-पेंच लगाता नजर आ रहा है। अब देखने ये दिलचस्प होगा कि जंगली बिल्ली, चालाक लोमड़ी का रास्ता काट पाने में कितनी सफल होंगी, ये देखने के लिए आपको जुलाई तक का इंतजार करना होगा। फिलहाल मिर्जापुर 3 के टीजर ने आते ही सोशल मीडिया पर घमासान मचा दिया है। फैंस टीजर को काफी पंसद कर रहे हैं। टीजर रिलीज ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। वहीं टीजर के साथ ही मिर्जापुर 3 सीरीज़ का प्रीमियर डेट भी सामने आ गया है। 10 एपिसोड की इस सीरीज़ का प्रीमियर 5 जुलाई को भारत और दुनिया भर में होने जा रहा है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस और क्रिएट की गई इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज़ को दर्शकों ने काफी पसंद किया है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। इस सीरीज़ में पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा,अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा सहित कई शानदार कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं। वहीं आपको बता दें कि मिर्जापुर का पहला सीजन 2018 में और दूसरा सीजन का प्रीमियर अक्टूबर 2020 में हुआ था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब फैंस इस शो के तीसरे सीजन को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में क्यों डेब्यू कर रही हैं

पश्मीना रोशन ने किया खुलासा

सुपरस्टार ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि आखिर क्यों उन्होंने इस फिल्म को साइन किया। इस फिल्म को डायरेक्ट निपुण धर्माधिकारी ने किया है। पश्मीना ने बताया कि किस वजह से उन्होंने इस फिल्म को हां कहा। उन्होंने कहा, सबसे पहले, ऐसी आइकोनिक फ्रेंचाइजी के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह एक रोमांटिक फिल्म है और मेरी पसंदीदा शैली रोमांस और रोमांटिक कॉमेडी है। उन्होंने आगे कहा, यह हमारी जनरेशन के यूथ लव को दिखाता है। इसलिए इस प्रोजेक्ट को करना, कुछ ऐसा है जिससे हम सभी बहुत ज्यादा कनेक्ट होते हैं। भले ही ऐसी चीजें हमारे लाइफ में न हुई हो, जिनसे हमारा कैरेक्टर गुजरा है। लेकिन यह थीम जुड़ाव महसूस कराता है। इसे एक बेहतरीन शुरुआत बताते हुए पश्मीना ने कहा, जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ीं, म्यूजिक आया, हमारे साथ बहुत अच्छा ट्रीट किया गया, हमारा बहुत ख्याल रखा गया... यह मेरा डेब्यू है और मुझे लगता है कि यह एकदम सही है... मेरे लिए सब कुछ सही रहा। पश्मीना ने कहा कि उन्हें कोई...मिल गया के सेट पर सिनेमा

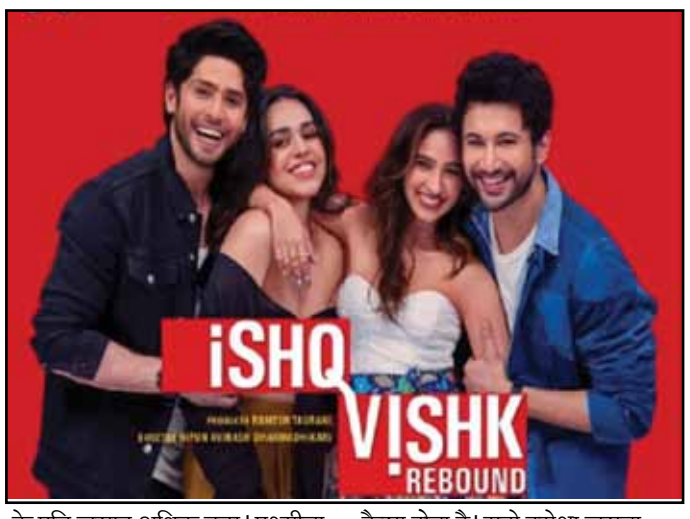

के प्रति लगाव अधिक बढ़ा। पश्मीना ने कहा, मैं और मेरी बहन सुरनिका सेट पर जाते थे, और यह हमारे लिए धरती पर सबसे खुशनुमा जगह हुआ करती थी। हमें ऐसा लगता था कि हमें अब कभी घर वापस जाने के लिए न बोला जाए। यहीं से मैंने सीखा कि मुझे सेट पर रहना अच्छा लगता है। मैंने स्कूल में थिएटर किया था। मेरी एक बहुत अच्छी टीचर मिसेज अमला थीं, जो काम के प्रति इतनी पैशनेट थी कि उन्होंने हममें भी वह पैशन भर दिया। मुझे लगता है कि उस क्लास का हर कोई क्रिएटिव फील्ड में चला गया है, और इसका काफी श्रेय उन्हें जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इन दो उदाहरणों से मुझे पता चला कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में होना कैसा होता है। मुझे हमेशा लगता था कि मैं किसी और चीज से ज्यादा एक कलाकार हूं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा खुशी देती है। पश्मीना ने आगे बताया कि उन्हें अपने बड़े भाई ऋतिक से क्या सलाह मिली है। उन्होंने कहा, एक समय था जब मैं यह तय कर रही थी कि मुझे मार्केटिंग में अपना करियर बनाना चाहिए या नहीं। मैं खुद को लेकर कंफ्यूज थी कि मैं इस फील्ड में रहने के लिए अच्छी हूं या नहीं। उस वक्त, न केवल ऋतिक, बल्कि मेरे परिवार के सभी लोगों ने मुझे सलाह दी कि अगर आप हर दिन अपना मन किसी काम में लगाते हैं और वह काम करते रहते हैं तो आप जो चाहें हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी बात है जिसे मैं सिर्फ फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि जो कुछ भी काम मैं करती हूं, उसके लिए अपनाती हूं। अगर मैं कुछ करना चाहती हूं, तो मैं उसे पूरी लगन से करने की कोशिश करती हूं। मैं अपने गोल तक चलकर या दौड़कर जाऊंगी, अगर मैं दौड़ नहीं सकती, तो मैं रेंगकर जाऊंगी। यही सलाह मुझे दी गई और यही मैंने उन्हें करते देखा है। टिप्स फिल्म्स के तहत रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल नजर आने वाले हैं। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

किल का पहला गाना कावा कावा हुआ रिलीज

लक्ष्य लालवानी का दिखा खूंखार अवतार

करण जौहर पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म किल को लेकर चर्चा में हैं।यह फिल्म इसलिए ज्यादा खास है क्योंकि इसके जरिए छोटे पर्दे के प्रसिद्ध अभिनेता लक्ष्य लालवानी बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने जा रहा हैं।हाल ही में निर्माताओं ने किल का ट्रेलर जारी किया था,जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। अब फिल्म का पहला गाना कावा कावा रिलीज हो गया है, जिसे सुधीर यदुवंशी, संज वी और शाश्वत सचदेव ने मिलकर गाया है। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा के साथ मिलकर किया है।किल 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म में लक्ष्य धमाकेदार एक्शन करते दिखेंगे। अब तक आपने लक्ष्य लालवानी को टीवी सीरियल या एमटीवी के कुछ शोज में देखा होगा. लेकिन फिल्म किल से लक्ष्य का बॉलीवुड डेब्यू हो रहा है और इस फिल्म में उनका खूंखार रूप देखने को मिलेगा. टीजर में तो आपने उनका एक्शन देख ही लिया होगा जिसमें एक्शन के साथ-साथ सस्पेंस और थ्रिलर भी दिख रहा है. फिल्म किल के टीजर में लव स्टोरी तो दिखाई गई लेकिन इसमें ट्विस्ट कैसे आता है, विलेन कहां से और क्यों आते हैं.

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म मुंज्या की पकड़ बरकरार

60 करोड़ रुपये की ओर दैनिक कमाई

मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे सितारों से सजी फिल्म मुंज्या का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।वीकेंड पर बढ़िया प्रदर्शन करने के बाद मुंज्या कामकाजी दिनों में भी बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छाप रही है।आइए जानते हैं फिल्म मुंज्या ने अपनी रिलीज के 11वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे

सोमवार 5 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 58.80 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। रूही और स्त्री के बाद यह दिनेश की तीसरी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। मुंज्या तूफानी रफ्तार से कमाई कर रही है. फिल्म ने अपनी लागत से कई गुना ज्यादा कारोबार कर लिया है. वहीं अब ये फिल्म 60 करोड़ का आंकड़ा छूने से इंचभर दूर रह गई है. इसी के साथ ये फिल्म अब 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है. अब देखने वाली बात होगी की मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर शतक कब लगाती है. 7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित मुंज्या में शरवरी, अभय वर्मा, मोना सिंह, सत्यराज, सुहास जोशी और कई अन्य कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई है. इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजन और अमर कौशिक ने किया है.

साड़ी पहन नेपाल की इस हसीना ने दिखाईं कातिलाना अदाएं

फोटोज देख हर अदाओं पर दिल हार गए फैंस

नेपाल की मशहूर अदाकारा अदिति बुधाथोकी आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग अक्सर उनके लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। नेपाली एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि ना सिर्फ पंजाबी इंडस्ट्री बल्कि भोजपुरी इंडस्ट्री में भी एक्ट्रेस अपने हुस्न का जलवा बिखेर चुकी हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है और साथ ही रेड कलर के ब्लाउज से उसे टीमअप किया है। कानों में झुमकें, माथे में बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा से ही लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। वो अपनी ब्यूटी से हर किसी का दिल जीत लेती हैं। अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।

अक्षय कुमार की सरफिरा का ट्रेलर रिलीज, अभिनेता के जुझारू अंदाज ने जीत लिया दिल

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार इस साल भी अपनी कई फिल्मों से सबका मनोरंजन करने की तैयारी में हैं।आखिरी बार बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के साथ दिखे अक्षय अब अपनी दूसरी फिल्म सरफिरा की रिलीज की तैयारियों में जुट गए हैं।जिस दिन से फिल्म का ऐलान हुआ था उसी दिन से दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार था। यह इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि ट्रेलर ने यूट्यूब पर दस्तक दे दी है। सामने आए सरफिरा के ट्रेलर में अक्षय को एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाते देखा जा रहा है, जो आम लोगों के लिए कम दामों में हवाई यात्रा करना संभव करना चाहता है। वह ऐसा करने के लिए अपनी एयरलाइन शुरू

चाहता है।इस संकल्प को पूरा करने के लिए अक्षय को राजनेताओं के ऑफिस में चक्कर काटने से लेकर कई तरह की मुश्किलों का सामना करते दिखाया गया है।अक्षय इस जुझारू किरदार में काफी प्रभावित कर रहे हैं। अक्षय और राधिका मदान अभिनती सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है।फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगारा कर रहे हैं। सुधा ने ही सोरारई पोटरू का निर्देशन किया था और उन्हें इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।सरफिरा में राधिका और अक्षय के अलावा परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर जहां अक्षय की बड़े मियां छोटे मियां का मुकाबला अजय देवगन की मैदान से देखने को मिला था, वहीं सरफिरा, साउथ सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 से टकराएगी।इंडियन 2 का हिंदी संस्करण हिंदुस्तानी 2 के नाम से रिलीज किया जाएगा। इंडियन 2 के साथ ही जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 12 जुलाई को सिनेमाघरों का रुख करेगी।ऐसे में अक्षय की सरफिरा टिकट खिड़की पर दो फिल्मों से टकराएगी। अक्षय की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह रोहित शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन में अजय, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर खान जैसे कलाकारों के साथ अहम भूमिका निभाते दिखेंगे।इसके साथ ही उनके पास अरशद वारसी के साथ फिल्म जॉली एलएलबी 3 भी है। उनके पास साजिद नाडियाडवाला निर्मित फिल्म वेलकम टू द जंगल भी है।यह फिल्म पहले 20 दिसंबर को दस्तक देने वाली थी। हालांकि, अब इसकी रिलीज को टाल दिया गया है।

बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन की दैनिक कमाई में गिरावट

कार्तिक आर्यन फिल्म चंदू चैंपियन को अपने करियर की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक मानते हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है।चंदू चैंपियन देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। मुरलीकांत की भूमिका में कार्तिक की मेहनत बड़े पर्दे साफ झलकती है।वीकेंड पर बढ़िया कारोबार करने के बाद अब कामकाजी दिनों में चंदू चैंपियन की दैनिक कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क

के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 26.25 करोड़ रुपये हो गया है।चंदू चैंपियन ने 4.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ। शनिवार को यह फिल्म 7 करोड़ रुपये और रविवार को 9.75 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चंदू चैंपियन का निर्देशन कबीर खान ने किया है, वहीं इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं।यह फिल्म गिरकर उठना और उठकर दौड़ना सिखाती है। ये कहानी है भारत के पहले पैरालम्पिक गोल्ड मेडल विजेता मुरलीकांत राजाराम पेटकर की। फिल्म की कहानी और कार्तिक की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है।राजपाल यादव, विजय राज और भुवन अरोड़ा भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।